राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 28 जून 2025 वर्ष-8,अंक-129 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत में ही ठीक होगा फाइटर जेट एफ-35, ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम आएगी

तिरुअनंतपुरम।

ब्रिटिश रॉयल नेवी का फाइटर जेट एफ-35 अब भारत में ठीक होगा। इसके लिए ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम और 2 टो व्हीकल आएंगी। टीम फाइटर जेट में आ रही तकनीकी प्रॉब्लम को ठीक करेगी, जिसके बाद ब्रिटेन के लिए उड़ान भरेगा। फाइटर जेट की 14 जून की रात तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट 13 दिन से एयरपोर्ट पर ही खड़ा है। 918 करोड़ का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है। ब्रिटिश सेवा में लाइटनिंग के नाम से जाना जाने वाला एफ-35 मॉडल फाइटर जेट का शॉर्ट टेक ऑफ/वर्टिकल लैंडिंग वैरिएंट है जिसे शॉर्ट-फील्ड बेस और एयर कैपेबल जहाजों से ऑपरेट करने के लिए डिजाइन किया गया है। एफ-35बी पांचवीं पीढ़ी का एकमात्र लड़ाकू जेट है जिसमें छोटी उड़ान और वर्टिकल लैंडिंग की कैपेसिटी है। जो छोटे डेक, साधारण ठिकानों और जहाजों से संचालन के लिए आदर्श बनाती हैं। एफ-35बी को लॉकहीड मार्टिन कंपनी ने तैयार किया है। ये पेंटागन के इतिहास का सबसे महंगा विमान है।

300 राइफल-पिस्टल, 50000 कारतूस मिले

लखनऊ।

लखनऊ में मोहर्रम से एक दिन पहले हथियारों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस को हकीम के घर से 300 हथियार और 50 हजार कारतूस मिले। बारहसिंघा की खाल समेत कई आपत्तिजनक चीजें भी मिली हैं। पुलिस 20 बोरियों में कारतूस भरकर ले गई। तीन थानों की फोर्स ने हकीम सलाहुद्दीन उर्फ लाला के घर पर छापा मारा। जहां अवैध हथियारों की फैक्ट्री चलती मिली। उसका घर मलिहाबाद थाने से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर है। पुलिस ने मलिहाबाद थाने में लाला को हिरासत में रखा है। वहां मीडिया को नहीं जाने दिया जा रहा। मामले में यूपी एटीएस एक्टिव हो गई है। मिर्जागंज निवासी सलाहुद्दीन उर्फ लाला (72) की पत्नी टीचर है। उसकी दो बेटियां हैं- एक नॉर्वे में और दूसरी लखनऊ में ही इंटीग्रल यूनिवर्सिटी से बीटेक कर रही है।

आसाराम को हाईकोर्ट से मिली राहत

अहमदाबाद।

गुजरात हाईकोर्ट ने 2013 में दर्ज हुए दुष्कर्म मामले में आसाराम को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने उसकी अस्थायी जमानत सात जुलाई तक बढ़ा दी है। इस मामले में आसाराम आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। वो चिकित्सा आधार पर जमानत पर है। न्यायमूर्ति इलेश वोरा और न्यायमूर्ति संदीप भट्ट की खंडपीठ ने आसाराम को यह विस्तार इसलिए किया ताकि उनके वकील याचिका को लेकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें। हाईकोर्ट ने कहा कि मामले की 2 जुलाई को सुनवाई होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने 28 मार्च को दी गई अस्थायी जमानत तीन महीने के लिए बढ़ा दी थी। वह 30 जून को समाप्त हो रही है।

चुनाव आयोग की स्ट्राइक....345 राजनीतिक दलों की मान्यता पर संकट

6 साल से कोई भी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ा

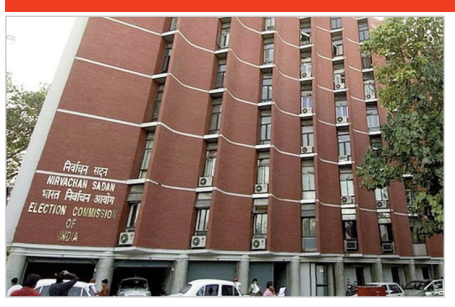

नई दिल्ली।

भारत के निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों की मान्यता समाप्त कर उन्हें सूची से बाहर करने की तैयारी है। जिन दलों की मान्यता समाप्त करने की तैयारी है। उन्होंने पिछले 6 वर्षों से कभी भी अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किये। जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई की है। 2022 में केंद्रीय चुनाव आयोग ने 196 दलों का पंजीयन निरस्त किया था। 345 और राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करने के बाद, केंद्रीय निर्वाचन आयोग की सूची में 2482 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल पंजीकृत हैं।

जिन राजनीतिक दलों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं। पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर में छूट देने का प्रावधान है। टैक्स छूट का लाभ उठाकर कई राजनीतिक दल मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध को अंजाम देते हैं। जांच में इसतरह के कई मामलों का खुलासा हुआ है। देश में राष्ट्रीय /राज्य /गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 ए के तहत होता है। इस प्रावधान के तहत एक बार पंजीकृत हो जाने पर राजनीतिक दल को कर में छूट सहित अन्य कई सुविधाएं प्राप्त होती हैं। आयोग के अनुसार, यह अभियान राजनीतिक व्यवस्था को पारदर्शी एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से आगे भी जारी रहेगा।

जगन्नाथ रथ यात्रा पर राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, कि पवित्र रथ यात्रा के अवसर पर मैं भारत और विदेशों में रहने वाले भगवान जगन्नाथ के भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट करते हुए अपने संदेश में वैश्विक शांति, मैत्री और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। उन्होंने पोस्ट करते हुए कहा, पवित्र रथयात्रा के अवसर पर मैं देश-विदेश में रह रहे महाप्रभु जगन्नाथ के भक्तों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। रथ पर विराजमान बड़े ठाकुर बलभद्र, महाप्रभु श्रीजगन्नाथ, देवी सुभद्रा और चक्रराज सुदर्शन के दर्शन करके लाखों भक्त दिव्य अनुभूति प्राप्त करते हैं। इन ईश्वरीय स्वरूपों की मानवीय लीला ही रथयात्रा की विशेषता है। इस पुण्य अवसर पर महाप्रभु श्रीजगन्नाथ से मेरी यह प्रार्थना है कि पूरे विश्व में शांति, मैत्री और स्नेह का वातावरण रहे।

यह पावन उत्सव सभी के लिए सुख-समृद्धि लाए-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा प्रारंभ होने पर देशवासियों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, कि भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ! इसके अलावा पीएम मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा, महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो में रथयात्रा की खूबियों का भी जिक्र किया और कहा कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के विभिन्न राज्यों में धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने-आप में अद्भुत है। इसी के साथ पीएम मोदी आगे कहते हैं, कि इन रथ यात्राओं में जिस तरह से हर वर्ग, हर समाज के लोग उमड़ते हैं, वो अपने आपमें अनुकरणीय है। यह आस्था के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी प्रतिबिम्ब है। इस पावन अवसर पर आप सभी को बधाई।

शाह ने शुभकामनाएं देते हुए की कल्याण की प्रार्थना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जगन्नाथ रथ यात्रा के शुरु होने के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

हेल और अमेरिकी जीई मिलकर बनाएंगे लड़ाकू विमानों के इंजन

यह प्रोजेक्ट भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में होगा बड़ा कदम

नई दिल्ली।

भारत की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हेल) जल्द ही एक बड़ा समझौता करने जा रही है। यह समझौता अमेरिका की रक्षा कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) एयरोस्पेस के साथ होगा। दोनों कंपनियां मिलकर भारत में लड़ाकू विमानों के इंजन तैयार करेंगी। ये इंजन भारत के तेजस जैसे नए फाइटर जेट में इस्तेमाल किए जाएंगे। हेल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील ने कहा कि अमेरिकी इंजन भारत के नए लड़ाकू विमानों में इस्तेमाल होंगे। जीई के एफ-414 इंजन को भारत में बनाने की योजना पीएम मोदी की 2023 की अमेरिका यात्रा के दौरान बनी थी, लेकिन टेक्नोलॉजी को साझा करने को लेकर बातचीत में देरी हुई। इसलिए इस प्रोजेक्ट में समय लगा। इससे भारत के दुश्मन देशों को काउंटर करने में मदद मिलेगी। सुनील ने बताया कि जीई के साथ तकनीकी बातचीत पूरी हो चुकी है। खासकर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि हमने करीब 80 फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर सहमति दी है। इससे भारत को इंजन बनाने की आधुनिक तकनीक मिलेगी। अब हम डील को लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेल को उम्मीद है कि यह समझौता मार्च 2026 तक पूरा हो जाएगा। मीडिया रिपोरर्ट के मुताबिक यह प्रोजेक्ट भारत के रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और देश को आधुनिक सैन्य उपकरण बनाने में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जीई का एफ-414 इंजन तेजस एमके2 और एएमसीए जैसे विमानों को ताकत देगा। तेजस एईएसए रडार से भी लैस होगा, जो इसे पॉवरफुल बनाएगा। जनरल इलेक्ट्रिक एफ-414 एक अमेरिकी आफ्टरबर्निंग टर्बोफैन इंजन है जो 22,000 पाउंड थ्रस्ट क्लास में है। इसका उत्पादन जीई एयरोस्पेस करता है। एफ-414 इंजन जीई के एफ404 इंजन का एक उन्नत संस्करण है, जो पहले से ही कई लड़ाकू विमानों में इस्तेमाल हो रहा है। यह 22,000 पाउंड थ्रस्ट प्रदान करता है, जो इसे एफ404 से 35 फीसदी जयादा ताकतवर बनाता है।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षामंत्री को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की

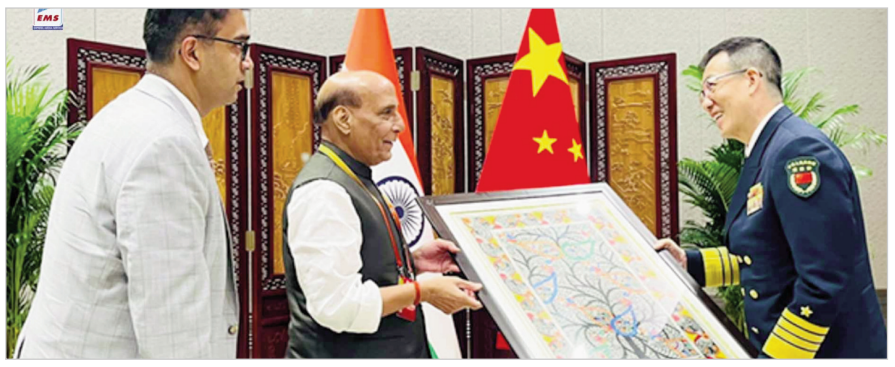

बीजिंग।

भारत और चीन के बीच शुक्रवार को एससीओ समिट की साइडलाइन में रक्षा मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीनी रक्षामंत्री एडमिरल डोंग जुन शामिल हुए। इस दौरान सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की। बैठक में राजनाथ सिंह ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंधों को बेहतर करने के लिए एडमिरल डोंग जुन को 4 पॉइंट वाला प्लान पेश किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने दोनों देशों के बीच अच्छे पड़ोसी संबंध बनाने और एशिया में स्थिरता के लिए मिलकर काम करने की जरूरत जाहिर की। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने की भी तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने चीनी रक्षा मंत्री को हाल ही में हुए आतंकवादी हमले और पाकिस्तान में भारत की कार्रवाई की पूरी जानकारी भी दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर ऑपरेशन सिंदूर भारत का स्टैंड है। इससे पहले गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई थे। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, दोनों शामिल हुए थे। हालांकि, राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की।

345 राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त

6 साल से कोई भी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ा

नई दिल्ली।

भारत के निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों की मान्यता समाप्त कर उन्हें सूची से बाहर कर दिया है। जिन दलों की मान्यता समाप्त की गई है। पिछले 6 वर्षों से कभी भी अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किये। जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई की है। 2022 में केंद्रीय चुनाव आयोग ने 196 दलों का पंजीयन निरस्त किया था। 345 और राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करने के बाद, केंद्रीय निर्वाचन आयोग की सूची में 2482 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल पंजीकृत हैं। जिन राजनीतिक दलों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं। पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर में छूट दिए जाने का प्रावधान है। टैक्स छूट का लाभ उठाकर कई राजनीतिक दल मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध को अंजाम देते हैं। जांच में ऐसे कई मामलों का खुलासा हुआ है।

पुरी जगन्नाथ मंदिर की तीसरी सीढ़ी का रहस्य हैं ये आपको पता, जाने इस खबर में

पुरी।

पुरी का जगन्नाथ मंदिर हिंदू धर्म के चार पवित्र धामों में से एक और धरती पर बैकुंठ धाम का स्वरूप माना जाता है। यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार भगवान जगन्नाथ को समर्पित है। पुरी में स्थित यह मंदिर न केवल अपने धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इससे जुड़ी अनेक रहस्यमयी मान्यताएं और कथाएं भी लोगों की आस्था को गहरा करती है। लेकिन इस मंदिर से जुड़ा एक ऐसा रहस्य है, जिसके बारे में लोगों को कम पाता हैं। यह रहस्य है मंदिर की तीसरी सीढ़ी का, जिसे 'यम शिला' कहा जाता है।

जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश के लिए कुल 22 सीढ़ियां हैं। इन सीढ़ियों में नीचे से तीसरी सीढ़ी को खास माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस सीढ़ी पर मृत्यु के देवता यमराज का निवास है। पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार यमराज ने देखा कि भगवान जगन्नाथ के दर्शन मात्र से भक्तों के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं, तब वे भगवान जगन्नाथ से मिलने पुरी पहुंचे। और उन्होंने भगवान से कहा कि लोग आपके दर्शन मात्र से ही भक्त मोक्ष प्राप्त कर लेते हैं और कोई भी अब यमलोक नहीं आता है।

इस पर भगवान जगन्नाथ ने यमराज से कहा, ÷तुम मंदिर के मुख्य द्वार की तीसरी सीढ़ी पर अपना स्थान ग्रहण कर लो। अब जो भक्त मेरे दर्शन के बाद सीढ़ी पर पैर रखेगा, वह पापों से मुक्त हो जाएगा, लेकिन यमलोक भी जाएगा। यही सीढ़ी यमशिला के नाम से जानी जाती है। कहते हैं कि इस तीसरी सीढ़ी का रंग बाकी सीढ़ियों से अलग है। यह काली रंग की सीढ़ी है, ताकि भक्त आसानी से पहचान सकें।

जिला अध्यक्ष ही आगे कांग्रेस पार्टी को चलाएगा, ये काम हम पूरे देश में करने जा रहे

आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मिलकर राहुल गांधी ने कहा

नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आदिवासी नेतृत्व को मजबूत करने पर जोर देकर बताया कि जिला अध्यक्ष ही कांग्रेस पार्टी को चलाएगा। साथ ही वह पार्टी को मजबूती देने का भी काम करेगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को एक वीडियो शेयर किया। इसमें राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा करते दिख रहे हैं। यह वीडियो 6 मिनट 21 सेकंड का है।

कांग्रेस ने लिखा, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। हम आदिवासी वर्ग को न्याय दिलाने के लिए उनके साथ खड़े हैं, उनके अधिकारों के लिए लड़ते रहने वाले है। वीडियो में देखा जा सकता हैं कि राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से कहते हैं, मैं पहले ही आपको बताना चाहता हूं कि मेरी दिलचस्पी क्या है। हमारी ऐसी आदिवासी लीडरशिप बने कि उसे हम कांग्रेस पार्टी में देख सके। मैं आपकी कांग्रेस पार्टी में मदद करना चाहता हूं। उसके लिए आपको संगठित होना पड़ेगा और जो सचमुच में आदिवासियों की बात कर रहे हैं, जो थोड़े डायनमिक हैं और आदिवासियों के लिए लड़ रहे हैं, उन्हें आगे करना पड़ेगा।

उन्होंने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से कहा, हम नया कदम ले रहे हैं। अभी कांग्रेस पार्टी ने गुजरात में शुरू किया है और उसमें वहां 41 नए जिला अध्यक्ष चुने हैं। जिला अध्यक्ष में आदिवासी, दलित, पिछड़े, जनरल कास्ट सहित सभी लोग शामिल है। हम जिला अध्यक्ष को पावर देने जा रहे हैं, जो वहां पर कांग्रेस को चलाएगा और उसकी रक्षा करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जलवायु क्षेत्र में भारत की ग्यारह वर्षों की प्रगति

(लेखक- भूपेंद्र यादव)

2015 में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने वैश्विक जलवायु वार्ता में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री खुद पेरिस गए और पेरिस समझौते को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे धरती के संरक्षण में भारत की उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। ऐसे देशों के विपरीत, जो जलवायु प्रतिबद्धताओं को बोझ के रूप में देखते हैं, भारत ने इसी वर्ष पेरिस में आयोजित कॉप-21 में अपने पहले राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करके ठोस कार्रवाई का प्रदर्शन किया।

मानव द्वारा उत्पन्न जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 2011-20 के दशक में पृथ्वी का तापमान, पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) की तुलना में 1.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। साथ ही, विकसित देश वैश्विक कार्बन बजट में असंगत हिस्सेदारी रखने के बावजूद जलवायु कार्रवाई को गति देने के लिए आवश्यक साधन प्रदान करने के प्रति इच्छुक नहीं दिखाई देते।

इस वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत के 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के प्राचीन वैदिक सिद्धांत ने सहस्राब्दियों से मानव सभ्यता का मार्गदर्शन किया है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण अस्तित्व की चुनौती से जूझ रही है, तो जलवायु प्रबंधन के प्रति भारत की कालातीत वैदिक ज्ञान की प्रतिध्वनि विश्व को मार्ग दिखा रही है।

एक ओर, वैश्विक समुदाय अक्सर जलवायु परिवर्तन से उपजी तापमान वृद्धि, अनियमित मौसम पैटर्न और आपदाओं में वृद्धि जैसी 'असुविधाजनक सच्चाइयों' में उलझा हुआ है। दूसरी ओर, भारत ने 'सुविधाजनक कार्रवाई' के दर्शन को सामने रखा है। हमारे सभ्यतागत लोकाचार में निहित इस दृष्टिकोण ने पिछले ग्यारह वर्षों में भारत को एक कर्तव्यनिष्ठ वैश्विक जलवायु नागरिक में बदल दिया है।

अथर्ववेद का एक श्लोक है,

यत् किञ्च पृथिव्यां पृथिवीमनुतं हितं चेद् तत् तवायतु।

मा नः पृथिव्याः परं हिंसिष्ठाः।

पृथ्वी का जो कुछ भी हम खनन करते हैं, उसे जल्दी से भरने दें, हम पृथ्वी के प्राण-तत्वों पर आघात न करें और न ही उसके हृदय को क्षति पहुंचाएं।

यह श्लोक आधुनिक जलवायु विज्ञान से हज़ारों साल पहले के पुनर्निर्माण पर आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के सिद्धांतों को दर्शाता है। इस प्राचीन ज्ञान को जलवायु कार्रवाई के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर आधारित समकालीन नीतिगत ढाँचों में पिरोया गया है, जिससे पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कार्रवाई का एक अनूठा तालमेल बना है।

इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, 2014 में पदभार ग्रहण करने के कुछ सप्ताह के भीतर ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक सरल लेकिन दूरगामी प्रशासनिक निर्णय के माध्यम से अपनी जलवायु प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। पर्यावरण और वन मंत्रालय में 'जलवायु परिवर्तन' को जोड़कर, उन्होंने जलवायु कार्रवाई को क्षेत्र-संबंधी चिंता के सीमित दायरे से निकालकर शासन की प्राथमिकता में ला दिया। 2015 में जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष का निर्माण इस प्रतिबद्धता का ही उदाहरण है, जिसके द्वारा राज्यों को जलवायु संकट से निपटने से संबंधित संसाधन प्रदान किए जाते हैं। कई राज्य सरकारों ने अपने स्वयं के जलवायु परिवर्तन विभाग स्थापित करके इस कदम का समर्थन किया, जिससे जलवायु कार्रवाई की एक संघीय व्यवस्था तैयार हुई।

2015 में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने वैश्विक जलवायु वार्ता में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री खुद पेरिस गए और पेरिस समझौते को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे धरती के संरक्षण में भारत की उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। ऐसे देशों के विपरीत, जो जलवायु प्रतिबद्धताओं को बोझ के रूप में देखते हैं, भारत ने इसी वर्ष पेरिस में आयोजित कॉप-21 में अपने पहले राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करके ठोस कार्रवाई का प्रदर्शन किया। यह देश की घरेलू अनिवार्यताओं और अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों द्वारा निर्देशित वैश्विक समुदाय के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रकटीकरण था।

पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के समय यानी 2015 में ही एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का गठन हुआ, जो लगातार मजबूत होता गया और आज 120 से अधिक देश इसके सदस्य हैं। इस गठबंधन ने सौर ऊर्जा संपन्न देशों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर सहयोग करने हेतु एक मंच तैयार किया है। नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) को दिए गए प्रोत्साहन से, इसकी स्थापित क्षमता 2014 के मात्र 76 गीगावाट से बढ़कर मार्च 2025 में 220 गीगावाट हो गई है और 2030 तक इसके 500 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है। स्थापित क्षमता के संदर्भ में भारत की बात करने तो हम आरई में चौथे, पवन ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा में तीसरे स्थान पर हैं। एक दशक में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

सरकार द्वारा अपनी कई योजनाओं के माध्यम से परिवर्तनकारी जलवायु कार्रवाई के लिए भारत की प्रतिबद्धता को गति प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (2016) से लाखों महिलाओं को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन मिला, जो दर्शाता है कि जलवायु कार्रवाई का सामाजिक न्याय के साथ तालमेल कैसे बिठाना चाहिए। पीएम-कुसुम योजना (2019) ने किसानों को सौर ऊर्जा समाधानों के जरिये सशक्त बनाया, वहीं रूफटॉप सौर कार्यक्रम से पूरे देश में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में तेजी आयी है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर, 2019 को न्यूयॉर्क शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) की घोषणा की, जिसकी औपचारिक शुरुआत 28 अगस्त, 2019 को हुई थी। इससे आपदा-रोधी अवसंरचना विकास को बढ़ावा देने में एक वैश्विक साझेदारी का निर्माण हुआ। स्वीडन के साथ साझेदारी में लीडआईटी (उद्योग में बदलाव के लिए नेतृत्व समूह) बनाया गया, जो जलवायु लक्ष्यों के लिए औद्योगिक बदलाव के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सौर विनिर्माण (2020) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से घरेलू सौर विनिर्माण क्षमता मजबूत हुई, आयात पर निर्भरता कम हुई और एक मजबूत स्वदेशी सौर इकोसिस्टम का निर्माण हुआ। 2021 में ग्लासगो में आयोजित कॉप 26 में भारत ने देश के जलवायु परिदृश्य को और मजबूत करते हुए ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने वक्तव्य में भारत के महत्वाकांक्षी अभियान पंचामृत की घोषणा की गई। पंचामृत यानी पाँच अमृत तत्व, जिसमें जलवायु प्रतिबद्धता को बढ़ाना और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करना शामिल है। इसी संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने मिशन लाइफ़ - पर्यावरण के लिए जीवनशैली की शुरुआत की, ताकि वैश्विक स्तर पर नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ़ सामूहिक लड़ाई में शामिल किया जा सके। इस ऐतिहासिक प्रतिबद्धता ने भारत को विकासशील देशों के बीच जलवायु नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया।

2 नवंबर, 2021 को ग्लासगो में कॉप 26 के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने आईआरआईएस (सुदृढ़ द्वीप देशों के लिए अवसंरचना) लॉन्च किया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फिजी, जमैका, मॉरीशस और यूके के प्रधानमंत्रियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम से जलवायु-संवेदनशील देशों के प्रति वैश्विक एकजुटता प्रदर्शित की गई।

भारत ने 2022 में अपने एनडीसी को परिवर्तित करते हुए उसमें संरक्षण और संयम की परंपराओं और मूल्यों के आधार पर स्वस्थ और सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए एक गुणात्मक लक्ष्य के रूप में मिशन लाइफ को शामिल किया। इसी क्रम में, नवंबर 2022 में भारत ने अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति (एलटी-एलईडी) प्रस्तुत की, जिसमें 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के साथ-साथ सतत विकास के लिए एक रूपरेखा प्रदान की गई है। इसी वर्ष राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का शुभारंभ हुआ, जिससे भारत हरित हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा, जो ऊर्जा स्वतंत्रता और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की हमारी दृष्टि के अनुरूप है। वर्ष 2023 में विकसित भारत 2047 की घोषणा, एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई, जो 2047 तक पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था तथा प्रकृति और प्रगति के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखते हुए विकसित राष्ट्र बनने के प्रति भारत का विज़न है। भारत की जलवायु कार्रवाई, 2047 तक विकसित भारत के विज़न के अनुरूप है। जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में कार्रवाई के अलावा, भारत ने व्यापक जलवायु रिपोर्टिंग का प्रदर्शन करते हुए द्विवार्षिक प्रगति रिपोर्ट के साथ अपना अनुकूलन संवाद भी प्रस्तुत किया है। 2024 में बदलाव लाने वाली दो नागरिक केंद्रित पहलों की शुरुआत हुई। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने सौर ऊर्जा तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाया, जबकि एक पेड़ माँ के नाम के शुभारंभ ने वनीकरण को एक जन आंदोलन का रूप दिया। इन कार्यक्रमों के जरिये प्रत्येक नागरिक को जलवायु कार्रवाई में योगदान देने के लिए सशक्त बनाया गया।

संपादकीय

आतंक पर छद्म नीति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क़िंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल,भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपेरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सदस्य देशों को उन देशों की आलोचना करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं।

लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावट- एक चिंताजनक संकेत

(लेखक-प्रियंका सौरभ)

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पर्दाफाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है।

वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है—आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1ब है, जो वैश्विक औसत 68.5ब से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है।

आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9ब पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20-30ब कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है।

शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70ब है, जो वैश्विक औसत 87ब से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ—जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी—अब भी मौजूद हैं।

स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है।

राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8ब रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6ब महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है।

भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दर्शाता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीयत चाहिए।

लैंगिक समानता केवल एक सामाजिक उद्देश्य नहीं, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए भी अनिवार्य है। मैकिंज़ी ग्लोबल संस्थान का अनुमान है कि यदि भारत कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाता है, तो 2025 तक अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 700 अरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और शासन में महिलाओं की भागीदारी से सामाजिक परिणाम भी अधिक न्यायसंगत और समावेशी होते हैं। भारत की जनसांख्यिकीय क्षमता तभी सार्थक होगी, जब उसमें महिलाओं की पूरी और समान भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

किन्तु चुनौतियाँ गहरी हैं। पितृसत्तात्मक सामाजिक मूल्य, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सुरक्षा की कमी, डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुँच और नीतियों के क्रियान्वयन में ढिलाई—ये सभी मिलकर लैंगिक असमानता को टिकाऊ बना रहे हैं।

अब समय आ गया है कि भारत केवल योजना बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें ज़मीन पर उतारे। महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने हेतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल कर उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था की जाए, विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-नगरीय क्षेत्रों में।

निजी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक की अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटॉरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ। डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए महिलाओं को सस्ते मोबाइल व इंटरनेट सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को पंचायत स्तर तक पहुँचाया जाए।

हर योजना और सर्वेक्षण में लैंगिक रूप से अलग आँकड़े संकलित करना अनिवार्य हो ताकि राज्य और जिले स्तर पर प्रगति की निगरानी की जा सके और नीति निर्माण अधिक लक्षित हो सके।

भारत की लैंगिक समानता में यह गिरावट केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है—कि हमने विकास की दौड़ में आधी आबादी को पीछे छोड़ दिया है। यह भूल केवल सामाजिक न्याय की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि की भी कीमत वसूलती है।

समानता की राह लंबी है, पर असंभव नहीं। नीति बन चुकी है, दिशा स्पष्ट है, अब आवश्यकता है राजनीतिक संकल्प, सामाजिक सहमति और संस्थागत क्रियान्वयन की। जब तक भारत अपनी आधी आबादी को बराबरी का स्थान नहीं देगा, तब तक विकसित राष्ट्र का सपना अधूरा रहेगा।

(चिंतन-मनन)

आशा निराशा

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है ! फिर मन मारकर वह नाव में चढा।

बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... ।

मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो नीलम था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

विचार मंथन

पेगासस का भूत अमेरिका में जिन्दा, भारत में जवाबदेही क्यों नहीं?

(लेखक- सनत जैन)

पेगासस जासूसी कांड का भूत एक बार फिर वैश्विक मंच अमेरिका मैं जिंदा होकर सामने आया है। इस बार अमेरिका की अदालत में पेगासस ने जो जानकारी दी है, उसमें भारत में 100 लोगों की जासूसी की जानकारी भी सामने आई है। जिसके कारण भारत भी कटघरे में खड़ा हो गया है। अमेरिका की कैलिफोर्निया स्थित फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चल रहे व्हाट्सएप बनाम एनएसओ केस में जो दस्तावेज दाखिल किये गये हैं, उन्होंने भारत सहित 51 देशों में 1223 लोगों की जासूसी किए जाने की पुष्टि की गई है। इस सूची में भारत 100 लोगों की जासूसी के साथ दूसरे स्थान पर है। यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह कहकर जांच टलवा दी थी। यह 'राष्ट्रीय सुरक्षा' का मामला है। जबकि पेगासस बनाने वाली कंपनी एनएसओ स्पष्ट कर चुकी है, यह सॉफ्टवेयर केवल सरकारों को ही बेचा जाता है। जब सरकार खरीददार है, तो सरकार इसके लिए जिम्मेदार भी है।

भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था, सरकार ने जांच में कोई सहयोग नहीं दिया। जिसके कारण कमेटी कुछ उल्लेखनीय जांच नहीं कर पाई। अब सवाल यह है, जब अमेरिका की अदालत में सबूतों के साथ जासूसी की पुष्टि हो गई है, उसके बाद भी भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट चुप क्यों है? भारत सरकार को क्या यह स्वीकार नहीं करना चाहिए कि सरकार ने इसका उपयोग राष्ट्रीय हित के लिए किया है। वह कौन से राष्ट्रीय हित थे, यह भी सरकार को सुप्रीम कोर्ट में बताना चाहिए। सरकार ने सत्ता पर पकड़ मजबूत करने के लिए अपनी मशीनरी का इस्तेमाल विरोधियों, पत्रकारों, जजों और मंत्रियों तक की निगरानी के लिए किया है। यह स्पष्ट होना जरूरी हो गया है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला जैसे नेताओं ने आज सवाल पूछा है।

यह सॉफ्टवेयर खरीदा किसने है? किस विभाग के बजट से खरीदा गया है? किस एजेंसी ने निगरानी के लिए इसका इस्तेमाल किया? क्या सरकार अब भी जानकारी देने से बचेगी? लोकतंत्र की पारदर्शिता इसी में है। जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तक की निगरानी पेगासस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए जाने के आरोप लग रहे हों तो ऐसी स्थिति में सरकार और संबंधित विभाग की जवाबदेही तय होना ही चाहिये। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश जिसमें लिखित नियम और कानून का अस्तित्व है यदि उस देश में जवाबदेही तय ना हो, तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की साख और अस्तित्व संकट में पड़ना तय है।

भारत की संप्रभुता और नागरिकों के मौलिक और कानूनी अधिकारों को सत्ता में बैठे हुए लोगों की मनमानी और अपारदर्शी प्रक्रियाओं की भेंट चढ़ा दिया जाएगा। अमेरिका की कोर्ट में जब एनएसओ ने दस्तावेजों के साथ यह स्वीकार कर लिया है कि उसने 51 देशों में 1223 लोगों की जासूसी की है, जिसमें भारत भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट के पास सीलबंद रिपोर्ट मौजूद है। जो सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक नहीं खोली है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त कमेटी को सरकार ने कोई जानकारी नहीं दी थी। इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है। वह इस मामले की पुनः सुनवाई शुरु करे। सील बंद लिफाफे को सार्वजनिक करे। सुप्रीम कोर्ट सभी पक्षों को सुनने के बाद इसमें अपना फैसला दे। इस जासूसी में सुप्रीम कोर्ट के भी जज शामिल किए गए थे। जिसके कारण यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने यदि इस मामले की सुनवाई जल्द शुरू नहीं की तो इसका असर न्यायपालिका की साख पर भी पडना तय है। सरकार को भी जनता को सच बताने के लिए अब सामने आना चाहिए। राष्ट्रीय हित को साधने के लिए यदि यह जासूसी कराई गई थी तो सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

वरना पेगासस का भूत भारत की लोकतांत्रिक आत्मा को लंबे समय तक डराता और धमकाता रहेगा। जिसके कारण भारत आंतरिक और वैश्विक मंच पर बहुत कमजोर होगा। अतः इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार आज भी यह कहती है, कि उसे सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल चुकी है।

इस मामले में कहीं ना कहीं न्यायपालिका पर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जल्द से जल्द इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुक्रवार को 17 पैसे बढ़कर 85.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि गुरुवार को यह 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। जनवरी 2023 के बाद से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करने के लिए रुपया सप्ताह में 1.3 फीसदी बढ़ा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के मजबूत निवेश और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 23 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.49 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डॉलर के थोड़ा मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त हालांकि थोड़ी थम गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.50 पर खुला। फिर 85.49 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.70 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 97.24 पर आ गया।

महिंद्रा लाइफस्पेस को मुंबई में पुनर्विकास परियोजना का ठेका मिला

1,250 करोड़ रुपये राजस्व हासिल करने का लक्ष्य

मुंबई।

रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड को मुंबई के मुलुंड में एक आवासीय सोसाइटी पुनर्विकास परियोजना का ठेका मिला है। उसे इससे करीब 1,250 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स, महिंद्रा समूह की रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा विकास इकाई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को सूचना दी कि उसे मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) में एक प्रीमियम आवासीय सोसाइटी के पुनर्विकास के लिए चुना गया है। इसमें कहा गया कि यह परियोजना 3.08 एकड़ भूमि पर फैली है और इसका अनुमानित विकास मूल्य करीब 1,250 करोड़ रुपये है।

भारत ने पंजाब से दोहा और दुबई को 1.5 टन लीची का निर्यात किया

नई दिल्ली।

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने इस महीने पहली बार 23 जून को पंजाब के पठानकोट से दोहा के लिए एक टन गुलाब-सुगंधित लीची की पहली खेप और दुबई के लिए इसी फल की 0.5 टन की खेप को रवाना करने में मदद की। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पंजाब का लीची उत्पादन 71,490 टन रहा, जो भारत के कुल लीची उत्पादन का 12.39 प्रतिशत हिस्सा है। इसी अवधि में भारत से कुल 639.53 टन लीची का निर्यात किया गया। सरकार, फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। 2024-25 में ये निर्यात सालाना आधार 5.67 प्रतिशत बढ़कर 3.87 अरब डॉलर हो गया। भारत के फलों के निर्यात में आम, केले, अंगूर और संतरे का दबदबा है। चेरी, जामुन और लीची अब देश से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने वाली स्वदेशी वस्तुओं की बढ़ती सूची में शामिल हो गई हैं।

ताइवानी दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन भारत में करेगी 2.2 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली।

ताइवानी दिग्गज कंपनी होन हाई प्रेसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड (फॉक्सकॉन) को ताइवान सरकार से भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर की राशि निवेश करने की मंजूरी मिल गई। फॉक्सकॉन को मंजूरी ऐसे समय पर मिली है, जब वह चीन से बाहर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का विस्तार कर रहा है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल बड़ी संख्या में विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को आकर्षित कर रही हैं और इससे देश में तेजी से मैन्युफैक्चरिंग बढ़ी है और रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फॉक्सकॉन को भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर से अधिक की दो अहम निवेश योजनाओं के लिए विनियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (एमओईए) के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट रिव्यू ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग दिग्गज की निवेश योजना को मंजूरी दे दी है। डिपार्टमेंट ने कंपनी की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर पीटीई लिमिटेड में पूंजी बढ़ाने के उद्देश्य से 1.49 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

कंपनी की सिंगापुर स्थित यह इकाई, युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करेगी, जो भारत में फॉक्सकॉन की सब्सिडियरी के तहत काम करने वाली एक अन्य इकाई है।

प्रमुख ऐप्पल आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ने अपने भारतीय ऑपरेशंस में 1.48 अरब डॉलर का निवेश किया है। यह वर्तमान में स्मार्टफोन डिस्प्ले मॉड्यूल को असेंबल करने के लिए श्रीपेरंबुदूर में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है।

यामाहा जल्द लांच करेगी नया एफझेड-एस एफआई हाइब्रिड वर्जन

नई दिल्ली।

भारत में यामाहा एक नई मोटरसाइकिल लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में यामाहा ने एक नए एफझेड मॉडल के डिजाइन का पेटेंट कराया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि जल्द ही एक नया वेरिएंट बाजार में दस्तक दे सकता है। पेटेंट किए गए इस डिजाइन में फ्यूल टैंक पर पारंपरिक फैंसी स्टाइलिंग एलिमेंट्स की जगह एक सादा और कार्यकुशल डिजाइन नजर आता है। माना जा रहा है कि यह नया मॉडल यामाहा एफझेड-एस एफआई हाइब्रिड का एक किफायती संस्करण हो सकता है, जिसमें कुछ प्रीमियम फीचर्स को हटाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई बाइक में टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स नहीं होंगे, जिससे इसकी कीमत को नियंत्रण में रखा जा सके। गौरतलब है कि यामाहा एफझेड-एस एफआई हाइब्रिड भारत की पहली 150सीसी मोटरसाइकिल है जो हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ आती है। इसमें 149सीसी का ब्लू कोर इंजन दिया गया है, जो स्टार्ट/स्टॉप सिस्टम और यामाहा के स्मार्ट मोटर जनरेटर से लैस है। यह तकनीक बाइक को बेहतर माइलेज देने में मदद करती है। ब्लू कोर टेक्नोलॉजी के कारण इंजन न केवल अधिक फ्यूल एफिशिएंट है बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। यामाहा का यह कदम भारतीय उपभोक्ताओं की बढ़ती ईंधन दक्षता और बजट की मांग को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई पर 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुकवार को 303 अंक बढ़कर 84,058.90 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 88.8 अंक ऊपर आकर 25,637.80 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में निफ्टी के शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंडसइंड बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स में सबसे अधिक उछाल आया। वहीं ट्रेंट, डॉ रेड्डीज लैब्स, इटरनल (जोमेटो), विप्रो, टाटा कंज्यूमर के शेयर गिरे। आज बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स के शेयरों में 0.5-0.5 फीसदी की बढ़त रही। आईटी और रियल्टी को छोड़कर बाकी सभी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर रहे जबकि कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पावर, टेलीकॉम, पीएसयू बैंक के शेयरों में 0.5-1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार मध्यपूर्व में तनाव कम होने के साथ ही विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना से भी बाजार में मजबूती आई है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 200 से ज्यादा अंक की बढ़त रही और ये 83,985 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा में संभावित ढील की उम्मीद के चलते यह बढ़त दर्ज की गई। सेक्टोरल मोर्चे पर 13 प्रमुख सेक्टर्स में से 12 में तेजी आई। ब्रोडर स्मॉल-कैप और मिड-कैप में लगभग 0.4 फीसदी की वृद्धि हुई। एशियाई बाजार की बात करें तो उसमें मजबूती के साथ कारोबार देखा जा रहा है। इसका कारण अमेरिका से मिले

सकारात्मक संकेत रहे, जहां व्हाइट हाउस ने टैरिफ (आयात शुल्क) की समय-सीमा को लेकर नरम रुख दिखाया है।

इससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली है। जापान का निक्केई 1.22 फीसदी चढ़ा, जो पिछले पांच महीनों के उच्चतम स्तर को और मजबूत कर रहा है। टॉपिक्स इंडेक्स में भी 1.1 फीसदी की तेजी देखी गई। टोक्यो में कोर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स जून में सालाना आधार पर 3.1 फीसदी बढ़ा, जो मई के 3.6 फीसदी और अनुमानित 3.3 फीसदी से नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 भी 0.4 फीसदी की बढ़त में रहे।

दूसरी ओर अमे रिकी बाजार में जोरदार तेजी रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.8 फीसदी चढ़कर 6,141.02 पर बंद हुआ और अब वह फरवरी में बने अपने ऑल-टाइम हाई 6,147.43 के बेहद करीब है। नेस्डेक कम्पोजिट 0.97 फीसदी चढ़कर 20,167.91 पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोंस में 404.41 अंकों की बढ़त रही और यह 43,386.84 पर बंद हुआ। हालांकि,

सोना 97 हजार से नीचे फिसला, चांदी भी फिसलकर 1,06,300 रुपए किलो

नई दिल्ली।

विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से देश के बाजारों में भी सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सुस्ती देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने के भाव 96,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 826 रुपये की गिरावट के साथ 96,261 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,087 रुपये था। इस समय यह 905 रुपये की गिरावट के साथ 96,182 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 126 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,629 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,06,755 रुपये था। इस समय यह 404 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,351 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,6,629 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,0,6,286 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,341.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला

बंद भाव 3,348 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 29.40 डॉलर की गिरावट के साथ 3,318.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.56 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.59 डॉलर था। इस समय यह 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 36.53 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ओएनजीसी ने असम का गैस रिसाव वाला कुआ बंद किया

नई दिल्ली।

ओएनजीसी ने असम के शिवसागर जिले में अपने कच्चे तेल के कुएं में 16 दिन तक गैस रिसाव होने के बाद उसे सील कर दिया है। यह बात केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कही। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ओएनजीसी ने आज पूर्वाह्न सवा 11 बजे आरडीएस147ए से हो रहे रिसाव को रोक दिया। 12 जून को विस्फोट के बाद रिसाव शुरू हुआ था। सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कम से कम समय में सफलतापूर्वक इसे रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के संकट प्रबंधन दल ने अंतरराष्ट्रीय कुआं नियंत्रण विशेषज्ञों के साथ मिलकर अंततः सावधानीपूर्वक योजना एवं ठोस प्रयासों से सुरक्षित तरीके से गैस कुआं विस्फोट की घटना का निपटान किया। इसमें किसी तरह की जानमाल की हानि नहीं हुई न ही कोई आग लगने की घटना हुई। यह विस्फोट 12 जून को भटियापार के बारीचुक स्थित ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र के रिग संख्या एसकेपी 135 के कुआं संख्या आरडीएस 147ए में हुआ था। सार्वजनिक क्षेत्र की 'महारत्न कंपनी की ओर से एक निजी कंपनी एसके पेट्रो सर्विसेज कुएं का संचालन कर रही थी। एहितायाती तौर पर निकटवर्ती इलाकों से करीब 350 परिवारों को निकाला गया।

फेयरफैक्स के वरिष्ठ सलाहकार बने अमिताभ कांत

नई दिल्ली।

कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड ने नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ कांत को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। फेयरफैक्स ने बयान में कहा कि जी-20 के पूर्व शेरपा कांत की आर्थिक वृद्धि, नवाचार और सतत विकास में व्यापक विशेषज्ञता से भारत में कंपनी के दीर्घकालिक निवेश दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी कांत को जुलाई 2022 में भारत का जी20 शेरपा नियुक्त किया गया था। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले। फेयरफैक्स एक होल्डिंग कंपनी है, जो अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से मुख्य रूप से संपत्ति और दुर्घटना बीमा तथा पुनर्बीमा के साथ-साथ संबंधित निवेश प्रबंधन में लगी हुई है।

स्मार्टवॉच अमेजफीट बेलेंस 2 वैश्विक बाजार में लॉन्च

नई दिल्ली।

अपनी दमदार स्मार्टवॉच अमेजफीट बेलेंस 2 को अमेजफीट ने लॉन्च कर दिया है। इससे पहले इसे चीन में पेश किया गया था और अब इसे दुनियाभर के ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह वॉच खासतौर पर डाइविंग और स्पोर्ट्स के शौकीनों के लिए डिजाइन की गई है, जो 100 मीटर गहराई तक पानी में भी आसानी से काम कर सकती है। अमेजफीट बेलेंस 2 में 1.5 इंच का स्क्रैच-रेजिस्टेंट एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो सफायर ग्लास से बना है। इसकी ब्राइटनेस 2000 निट्स तक जाती है, जिससे यह सूरज की तेज रोशनी में भी साफ दिखाई देती है।

यह वॉच 10 एटीएम वॉटर रेजिस्टेंट है और कंपनी का दावा है कि इसमें 21 दिन तक चलने वाली बैटरी दी गई है। यह स्मार्टवॉच 170 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड्स को सपोर्ट करती है, जिसमें स्विमिंग, रनिंग, साइकलिंग, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और यहां तक कि हायरोक्स जैसे हाई इंटेंसिटी स्पोर्ट्स भी शामिल हैं। खास बात यह है कि यह 45 मीटर तक की फ्रीडाइविंग और स्कूबा डाइविंग को भी ट्रैक कर सकती है। यह स्मार्टवॉच ब्लैक कलर ऑप्शन और एक एडिशनल लावा स्ट्रैप के साथ आती है।

इसकी कीमत 299 अमेरिकी डॉलर यानी करीब रुपए 25,800 रखी गई है। गोल्फ के शौकीनों के लिए वॉच में दुनियाभर के 40,000 से ज्यादा गोल्फ कोर्स का एक्सेस, स्कोरिंग और पिन रीलोकेशन जैसे फीचर्स शामिल हैं। इसमें हेल्थ से जुड़े कई एडवांस्ड ट्रैकर्स भी मिलते हैं, जैसे हार्ट रेट मॉनिटर, ब्लड ऑक्सीजन सेंसर, स्लीप ट्रैकिंग, स्ट्रेस लेवल मैपिंग और पीरियड ट्रैकिंग। वॉच में ब्लूटूथ कॉलिंग सपोर्ट, डुअल स्पीकर और माइक्रोफोन की सुविधा दी गई है।

जेएसडब्ल्यू पेंट ऐकेजो नोबल की 74 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

8,986 करोड़ रुपये में हो सकता है सौदा

नई दिल्ली।

भारतीय अरबपति सज्जन जिंदल की जेएसडब्ल्यू पेंट एकेजो नोबल इं डिया में 74.76 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने जा रही है, जिसकी कुल कीमत करीब 8,986 करोड़ (1.08 बिलियन डॉलर) बताई जा रही है। यह सौदा डच पैरेंट कंपनी एकेजो नोबल एनवी और उसकी सहयोगी कंपनियों से शेयर खरीदकर किया जाएगा। इसके बाद जेएसडब्ल्यू को नियमों के मुताबिक पब्लिक शेयरहोल्डर्स के लिए ओपन ऑफर भी लाना होगा। यह सौदा तब पूरा होगा जब सभी नियामकीय मंजूरी मिल जाएंगी, जैसे कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की मंजूरी। इस सौदे के साथ ही जेएसडब्ल्यू पेंट को दुनियाभर में मशहूर डयूलेक्स ब्रांड का भी स्वामित्व मिलेगा। यह भारत के पेंट उद्योग में अब तक की सबसे बड़ी डील में से एक मानी जा रही है। इससे जेएसडब्ल्यू पेंट को ऐ शियन पेंट, बर्गर पेंट और ओ दित्य बिरला ग्रुप की नई पेंट कंपनियों से मुकाबला करने की ताकत मिलेगी। इस डील से भारत के डेकोरेटिव और इंडस्ट्रियल पेंट मार्केट का चेहरा बदल सकता है। आने वाले 10 सालों में इस सेक्टर के डबल डिजिट ग्रोथ करने की उम्मीद है, खासकर घर सजाने और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स

के चलते। जेएसडब्लयू पेंट की शुरुआत 2019 में हुई थी। यह 23 बिलियन डॉलर की जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा है, जिसके कारोबार स्टील, सीमेंट, एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रीन मोबिलिटी जैसे सेक्टरों में फैले हुए हैं।

डीएपी के दाम जून में 800 डॉलर प्रतिटन तक पहुंचे

चीन की सख्ती से उर्वरकों का निर्यात हुआ प्रभावित

नई दिल्ली।

उर्वरकों के निर्यात पर चीन की सख्ती से पानी में घुलने वाले उर्वरकों की आपूर्ति ही प्रभो वित नहीं हुई है बल्कि जमकर उपयोग में आने वाले डाई अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) के दाम भी इसकी वजह से चढ़ने लगे हैं। डीएपी के दाम जून में 800 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गए, जो पिछले कुछ महीनों में नहीं देखा गया था। डीएपी के दाम बढ़ने से चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्र का सब्सिडी का गणित गड़बड़ा सकता है और आयात करने वाली कंपनियों के मार्जिन को भी चोट लग सकती है। डीएपी के खुदरा दामों में सब्सिडी का बड़ा हिस्सा होता है। उद्योग सत्रों के मुताबिक 2024-25 में देश में करीब 46 लाख टन डीएपी का आयात किया था, जिसमें चीन की हिस्सेदारी केवल 8.5 लाख टन थी। लेकिन 2023-24 में भारत में आयात हुए 56 लाख टन डीएपी में करीब 22 लाख टन चीन से ही आया था। इस तरह केवल दो साल में चीन से डीएपी आयात करीब 61.3 प्रतिशत गिर गया। भारत में यूरिया के बाद सबसे ज्यादा इस्तेमाल डीएपी का ही होता है और सालाना 100 से 110 लाख टन खपत में 50-60 लाख टन आयात होता है। इतना ही नहीं, डीएपी में इस्तेमाल होने वाली फॉस्फोसर और अमोनिया जैसे कच्चे माल का भी आयात करना पड़ता है। कारोबारी सूत्रों ने बताया कि आयातित फॉस्फोरस का भाव 10 डॉलर प्रति टन बढ़ने पर तैयार डीएपी का आयात मूल्य करीब 5 डॉलर प्रति टन बढ़ जाता है। इसी तरह अमोनिया की कीमत 30 डॉलर प्रति टन बढ़े तो डीएपी का दाम 12 डॉलर प्रति टन चढ़ जाता है। पारियों ने बताया कि चीन से डीपीए का आयात घटा तो भारत ने उसकी भरपाई के लिए पश्चिम एशिया खास तौर पर सऊदी अरब की कंपनियों का रुख कर लिया। मगर हाल में खाड़ी के इलाके में ईरान और इजरायल की जंग तथा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने की धमकियों ने बताया कि यह रास्ता भी जोखिम भरा है क्योंकि इसकी वजह से आयातित डीएपी के दाम बढ़ गए।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में दोगुनी होगी बीमा राशि

18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख बीमा मिलता है वह अब 4 लाख होगा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार का वित्त मंत्रालय प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाय) में जीवन बीमा की राशि डबल करने की योजना पर काम कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए प्रीमियम में भी तब्दीली की जा सकती है। अभी जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख रुपये का जीवन बीमा मिलता है। इसे बढ़ाकर दोगुना यानी 4 लाख रुपये किया जा सकता है। अभी सालाना प्रीमियम 436 रुपये प्रति सदस्य है, जिसे बढ़ाकर 700 से 800 रुपये के बीच लाने पर भी विचार चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि सरकार प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना में भी बीमा की राशि बढ़ाने पर विचार कर रही है। लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की राय ले रही है और देख रही है कि इसे बढ़ाना कितना व्यावहारिक होगा। इस बारे में वित्त मंत्रालय को ईमेल भेजा गया था लेकिन अभी तक उसका जवाब नहीं मिला। सरकारी आंकड़ों से पता चला कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समावेशन की इन दोनों अहम योजनाओं के सालाना लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। इन बैंकों को पिछले वित्त वर्ष में सुरक्षा बीमा योजना में 6.4 करोड़ पंजीकरण का लक्ष्य दिया गया था मगर केवल 40 प्रतिशत पंजीकरण हो पाया। जीवन ज्योति बीमा योजना में 4.1 करोड़ पंजीकरण के लक्ष्य में से केवल 30 प्रतिशत पूरा हो पाया। बैंक ऑफ इंडिया केवल 11 प्रतिशत पंजीकरण करा पाया। यूको बैंक ने 14 प्रतिशत, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 24 प्रतिशत और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी 24 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया। मगर अक्टूबर तक भारतीय स्टेट बैंक ने 60 प्रतिशत और इंडियन बैंक ने 45 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जानबूझकर कैच आउट के दावे को नो बाल करार दे सकता है अंपायर

मुम्बई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये नियम से अब खेल में कई बदलाव दिखेंगे। आईसीसी ने कैच से लेकर डीआरएस तक का नियम बदल है। इसके अलावा टेस्ट मैचों में गेंद बदलने को लेकर भी नए नियम बनाये गये हैं। इससे सबसे ज्यादा प्रभाव कैच को लेकर पड़ेगा। अगर कैच लेने के दौरान फील्डर अंपायर पर किसी तरह का दबाव डालता है तो उससे टीम को नुकसान उठाना पड़ेगा। है। आईसीसी का ये नियम दो जुलाई से लागू होगा। इसमें उन कैचों को लेकर नियम में बदलाव किया गया जो पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता। इस तरह के कैचों में अब अगर किसी तरह की बहस की जाती है तो अंपायर अपने अनुसार फैसले ले सकते हैं। नए नियम के अनुसार कैच के फैसले को लेकर अब तीसरे अंपायर की भूमिका और अधिक बढ़ गई है। इसके तहत मैदानी अंपायरों को अगर पता नहीं है कि कैच सही लिया गया है या नहीं पर टीवी अंपायर बताता है कि ये नो बॉल थी तो पहले, नो-बॉल सिग्नल होने पर कैच की निष्पक्षता की जांच नहीं होती थी। इसके अलावा यदि कोई कैच स्पष्ट नहीं है और फील्डर जानबूझकर उसपर आउट का दावा करते तो अंपायर इसे नो-बॉल करार दे सकते हैं। हालांकि, अब नए नियमों के मुताबिक तीसरे अंपायर की कैच को लेकर भूमिका और ज्यादा बढ़ गई है।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब विश्वकप फुटबॉल में जुवेंटस को हराया

लंदन।

मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस एफसी क्लब को 5-2 से हराने के साथ ही विश्व कप क्लब फुटबॉल 2025 के ग्रुप स्तर पर 100 प्रतिशत जीत का नया रिकॉर्ड बनाया है। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत के साथ ही ग्रुप जी में पहला स्थान मिल गया है।

अब मैनचेस्टर का सामना ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में होगा। मैनचेस्टर फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण में सभी मुकाबले जीतने वाली अकेली टीम है। उसने अब तक इस टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं जबकि दूसरे नंबर पर 12 गोल के साथ ही एफसी बायर्न म्यूनिख है। जुवेंटस के खिलाफ मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी का नियंत्रण पूरे समय बना रहा।

मैच की शुरुआत के नौवें मिनट में ही मैनचेस्टर ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली हालांकि ये अधिक देर तक कायम नहीं रह पायी। केवल दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन के आत्मघाती गोली से जुवेंटस बराबरी पर पहुंच गयी।

इसके बाद 26वें मिनट में जुवेंटस के डिफेंडर की गलती से हुए गोल से मैनचेस्टर को फिर बढ़त मिल गयी। मैनचेस्टर पहले हाफ में हावी रही। बीच में बारिश के कारण बाधा आई पर मैनचेस्टर की लय बनी रही। दूसरे हाफ में एरलिंग हैलैंड ने 52वें मिनट में गोल दागकर सिटी की बढ़त को 3-1 कर दिय। इसके बाद फिल फोडेन ने गोल कर स्कोर 4-1 कर किया। जब हैलैंड ने शानदार दौड़ लगाकर साविन्हो को पास दिया, जिसने गोलकीपर को छका कर फोडेन को आसान मौका दिया।

वहीं सावित्हो ने मैच के 75वें मिनट में लंबी किक लगाकर पांचवां गोल दाग दिया। इसके बाद 84वें मिनट में जुवेंटस ने एक गोल वापस किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली इस पारी को मानते हैं अपनी सबसे अच्छी पारी

मुम्बई।

अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप में एक से बढ़कर एक पारियां खेलकर अब तक 8 शतक लगाये हैं पर रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्वकप 2024 में खेली अपनी 92 रनों की पारी को इस प्रारुप की अपनी सबसे अच्छी पारी मानते हैं। उस मैच में रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के घातक गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंदों पर भी जमकर चौके और छक्के लगाये थे। उस मैच में कोई गेंदबाज रोहित के कोप से बच नहीं पाया था। रोहित की 92 रनों की पारी से भारतीय टीम ने 205 रन बनाये थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम 181 रनों पर ही सिमट गयी थी।

रोहित ने कहा, ÷टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी मेरी अब तक की सर्वश्रेष्ठ टी20 पारी है।÷ उन्होंने साथ ही कहा, ÷जब मैं 2024 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए उतरा, तो मेरे दिमाग में बस यही था कि मुझे किसी तरह स्कोर करना है, मुझे उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना है और रन बनाना है। इसी कारण मैं हर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज के खिलाफ आक्रमण करना चाहता था।÷ ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराकर करोड़ों प्रशंसकों को निराशा में झौंक दिया था। उसी हार का ये बदला था। रोहि ने 2023 विश्वकप को याद करते हुए कहा, ÷ऑस्ट्रेलिया ने 19 नवंबर को एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में हमारा और पूरे देश का दिन खराब कर दिया था, इसलिए हमें भी हिसाब बराबर करना था। ड्रेसिंग रूम में इस तरह की बातें होती हैं। हमारे दिमाग में यह बात थी कि अगर हम यह मैच जीत गए तो ऑस्ट्रेलिया इस टी20 विश्व कप से बाहर हो जाएगा।÷ भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्वकप जीता था।

बुमराह को दूसरे टेस्ट में मिलेगा आराम

बर्मिंघम।

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 2 जुलाई से यहां होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे टेस्ट में आराम दिया जाएगा। इस सीरीज के पहले ही ये तय हुआ था कि बुमराह सीरीज में तीन ही मैच खेलेंगे हालांकि ये तय नहीं था कि ये मैच कौन से होंगे। इंग्लैंड से पहला टेस्ट मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं और ऐसे में बुमराह का नहीं खेलना भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि पहले टेस्ट में बुमराह ने पांच विकेट लिए थे और भारतीय टीम की ओर से केवल वही एक गेंदबाज थे जिन्होंने मेजबान टीम पर दबाव बनाया। ऐसे में भारतीय टीम के लिए उनका विकल्प तलाशना आसान नहीं होगा। बुमराह ने पहले टेस्ट मैच में 44 ओवर की गेंदबाजी की थी। उन्होंने मैच की पहली पारी में 5 विकेट लिए थे पर दूसरी पारी में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। बुमराह को दूसरी पारी में विकेट नहीं मिलने से ही इंग्लैंड की टीम आसानी से जीत गयी। इंग्लैंड ने जीत के लिए मिले 371 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया था। भारतीय टीम को सीरीज में वापसी के लिए दूसरा टेस्ट हर हाल में जीतना जरूरी है। बुमराह के नहीं खेलने पर इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाज आक्रमण की कमान मोहम्मद सिराज को मिलेगी। कार्यभार प्रबंधन के तहत बुमराह दूसरे टेस्ट से बाहर रहेंगे और तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बुमराह ने इंग्लैंड दौरे से पहले ही उन्होंने यह कह दिया था कि वे 5 टेस्ट में से 3 में ही खेल पाएंगे।

ऋषभ की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए ग्रेग चैपल

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। चैपल लीड्स में खेली ऋषभ की शतकीय पारियों से हैरान है। चैपल ने कहा कि इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये बल्लेबाज खेल को एक नया अंदाज दे रहा है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों पर 134 जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाये थे। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि वह ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं। साथ ही कहा, 'जब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गयी हालांकि वह एक अलग तरह का खिलाड़ी है। जब एक विकेटकीपर बेहतरीन बल्लेबाजी करता है और तेजी से रन बनाता है तो यह टीम के लिए बड़ा अंतर पैदा कर सकता है.'

चैपल ने कहा, 'सबसे बड़ी खूबी ये है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उसे देखना रोमांचक है अनुभव है। '

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि वह कब क्या कर सकता है। चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उससे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकता है।' चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता है और उसने पहले टेस्ट में भी भारतीय टीम को आगे ला दिया था।'

संक्षिप्त समाचार

दूसरे टेस्ट से पहले सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम को लगा झटका

बर्मिंघम।

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ यहां 2 जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए ऐजबेस्टन पहुंच गयी है। भारतीय टीम लीड्स में पहला टेस्ट हारने के कारण 1-0 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। इस मैच के शुरु होने से पहले ही युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि सुदर्शन अभी थ्रो भी नहीं कर पा रहे और उनका इस मैच में खेलना तय नहीं है। सुदर्शन ने लीड्स में हुए पहले टेस्ट से अपना डेब्यू किया था। इस मैच में हालांकि वह असफल रहे थे। मैच में फील्डिंग के दौरान सुदर्शन के बाएं कंधे में चोट लगी, इसी कारण वह लंबे थ्रो नहीं कर पा रहे। अब देखना है कि वह मैच से पहले ठीक हो पाते हैं या नहीं। अगर वह नहीं खेलते हैं तो भारत ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को नंबर-3 पर अवसर मिल सकता है। ईश्वरन ने इंडिया ए की ओर से खेलते हुए 68 और 80 रन बनाये थे। इसके अलावा उनके पास प्रथम श्रेणी का लंबा अनुभव है, इसमें उन्होंने 48 की औसत से 7841 रन बनाए हैं।

वॉन ने बदली अपने भविष्यवाणी बोले, इंग्लैंड 4-0 से जीतेगी

लंदन।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कमेंटेटर माइकल वॉन भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद बेहद उत्साहित हैं। वॉन का कहना है कि इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 4-0 से जीतेगी जबकि सीरीज से पहले उन्होंने कहा था कि उनकी टीम सीरीज 3-1 से जीत रही है। पहले टेस्ट में जीत से वॉन की भविष्यवाणी भी बदल गयी। वॉन की आम तौर पर सोशल मीडिया में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर से बहस होती रहती है। ये दोनों दिग्गज कई बार एक दूसरे पर निशाना साधते रहे हैं। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में 471 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से वॉन को जाफर पर कटाक्ष करने का अवसर मिल गया। वॉन ने सोशल मीडिया में लिखा , हम सीरीज जीत रहे हैं। उम्मीद है जाफर आप ठीक होंगे जाफर ने इसके जवाब में वॉन की एक तस्वीर शेयर करते हुए लखा, ÷खुशी है कि एक युवा भारतीय टीम ने आपको इस तरह से चिंतित कर दिया। जीत का आनंद लें, माइकल, हम वापस आएंगे।÷ वॉन यहीं नहीं रुके, जाफर के इस पोस्ट का जवाब देते हुए उन्होंने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की भविष्यवाणी कर दी। सीरीज शुरु होने से पहले वॉन ने कहा था कि इंग्लैंड 5 मैच की इस सीरीज को 3-1 से जीतेगा, मगर हेडिंग्ले में पहला टेस्ट जीतने के बाद उन्होंने कहा कि इंग्लैंड अब यह सीरीज 4-0 से जीतने वाला है। दोनो टीमों के बीच दूसरी टेस्ट दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये। भारत क्रिकेट के मामले में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरु होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज के गेंदबाज सील्स पर जुर्माना लगाया

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में अचारसंहित उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। सील्स ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस को आउट होने पर ड्रेसिंग रुम जाने का इशारा किया था। आईसीसी ने सील्स पर उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, सील्स को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। ये किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, क्रिया या हाव-भाव का उपयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़काने से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, सील्स के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्क अंक भी जोड़ा गया है, ये 24 महीने की अवधि में उनका दूसरा अपराध था, इससे उनके नकारात्मक अंकों की संख्या दो हो गई है। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 55वें ओवर की थी। तब सील्स ने कमिंस को आउट करने के बाद पवेलियन की तरफ इशारा किया था। इसे आईसीसी के अनुशासन नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन माना गया, क्योंकि यह बल्लेबाज को अपमानित करने के साथ ही उकसाने वाला था। आईसीसी ने बताया कि सील्स ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ के दिए दंड को भी स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप तय किए थे। सील्स का यह 24 महीनों में दूसरा नकारात्मक पॉइंट है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट में डिमेरिट पॉइंट मिला था।

रोनाल्डो साल 2027 तक अल नासर में ही रहेंगे

दुबई। पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अगले दो साल तक सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब अल नासर में ही रहेंगे। रोनाल्डो ने इसके तहत ही क्लब के साथ साल 2027 तक के लिए एक करार किया है। इसी के साथ ही रोनाल्डो के क्लब छोड़ने की अटकलें समाप्त हो गयी हैं। अब वह 2027 तक अल नासर में ही रहेंगे। इस स्टार स्ट्राइकर ने ये घोषणा सोशल मीडिया में जारी एक पोस्ट के साथ दी जिसमें उन्होंने कहा, एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं। वहीं सऊदी क्लब ने भी कहा, रोनाल्डो साल 2027 तक हमारे साथ बने रहेंगे। मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद साल 2022 के अंत में रोनाल्डो अल नासर में शामिल हो गये थे, यहां उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 105 मैचों में 93 बार गोल दागे। इस क्लब में रोनाल्डो के शामिल होने के बाद खास बदलाव आया और सऊदी प्रो लीग का दुनिया भर में आकर्षण बढ़ा। जिससे कई अच्छे खिलाड़ी लीग से जुड़े। रोनाल्डो का अनुबंध इस गर्मी में समाप्त होने वाला था, और 2024-25 सत्र के अल नासर के अंतिम मैच के बाद उनकी एक पोस्ट यह अध्याय समाप्त हो गया से ये अंदेशा लगाया जाने लगा कि वह क्लब छोड़ रहे है पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिछले महीने तब और अनिश्चितता पैदा हो गई जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने रोनाल्डो के विस्तारित 2025 क्लब विश्व कप में संभावित रूप से शामिल होने के बारे में बात की हालांकि रोनाल्डों ने इससे इंकार किया है।

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया मैच में तीसरे अंपायर के पांच फैसलों पर उठा विवाद

पूर्व क्रिकेटर बिशप ने नाराजगी जतायी

बारबाडोस।

यहां वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में तीसरे अंपायर के 5-5 गलत फैसलों पर विवाद उठे हैं। मैच के पहले दो दिनों में ही 24 विकेट गिर चुके हैं और मुकाबला रोमांचक हो गया है। थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक के इन गलत फैसलों से मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ही अधिक नुकसान हुआ है क्योंकि इन 5 में से 4 फैसले उनकी टीम के खिलाफ गये हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने भी तीसरे अंपायर के फैसलों पर सवाल उठाये हैं।

दूसरे दिन के पहले ही ओवर में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज जोश हेजलवुड की एक गेंद को एक रन के लिए खेला। ऑस्ट्रेलियाई के कप्तान पैट कमिंस को लगा कि गेंद पहले पैड पर लगी है, इसलिए उन्होंने डीआरएस की अपील की।

तो तीसरे अंपायर ने यह सोचकर नॉट-आउट फैसला सुनाया कि गेंद पहले बल्ले से टकराई थी।

पैट कमिंस और हेजलवुड इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए मैदानी अधिकारियों के पास गए पर कुछ लाभ नहीं हुआ। इसके बाद रोस्टन भी गलत फैसले से प्रभावित हुए।

पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडब्ल्यू की अपील की जिसे अंपायर ने मान लिया। रोस्टन ने डीआरएस लिया पर अंपायर का फैसला नहीं बदला।

वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा, मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूं। मेरे विचार से रोस्टन आउट नहीं थे।। यह सिलसिल आगे भी चला।

दोपहर के सत्र में वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शाई होप का विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने शानदार कैच पकड़ लिया पर अंपायर कैच ने फैसला तीसरे अंपायर को सौंप दिया।

रिप्ले में देखा गया कि कैरी ने जब गेंद पकड़ी तो गेंद का कुछ हिस्सा जमीन पर लगा था, इसके बाद भी थर्ड अंपायर ने होप को आउट करार दिया।

दूसरे दिन के अंत में एक बार फिर यही हुआ वेस्टइंडीज के कैमरून ग्रीन एलबीडब्यू की अपील से बच गए।

रिप्ले से पता चला कि गेंद बल्ले से पहले पैड पर लगी थी। हालांकि, होल्डस्टॉक ने एक बार फिर गलत फैसला लेकर नाट आउट दिया। पहले दिन ट्रेविस हेड के मामले में शमर जोसेफ की गेंद पर शाई होप ने कैच पकड़ा था पर अंपायर ने आउट नहीं दिया।

वेस्टइंडीज के एक क्रिकेटर पर कई महिलाओं ने लगाया शोषण, रेप का आरोप , बोर्ड की भूमिका पर भी सवाल उठे

गुयाना।

वेस्टइंडीज की टीम जहां अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। वहीं टीम के एक मौजूदा या पूर्व खिलाड़ी पर बलात्कार, उत्पीड़न के साथ ही कई गंभीर आरोप लगे हैं। यह मामला गुयाना के मीडिया की रिपोर्ट से सामने आया है। इससे वेस्टइंडीज टीम के साथ ही क्रिकेट बोर्ड की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के खिलाड़ी पर आरोप लगाने वाली महिलाओं की संख्य एक दर्जन है जिसमें से कुछ नाबालिग भी हैं। ऐसे में अब टीम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना तय है। इससे पहले ही परेशानी में फंसा वेस्टइंडीज बोर्ड का संकट बढ़ना तय है। रिपोर्ट के अनुसार मुख्य शिकायत गुयाना की एक युवती ने दायर की थी। इसके बाद अन्य महिलाएं भी सामने आईं और उन्होंने यौन उत्पीड़न, अनुचित व्यवहार के साथ ही मामले को दबाने के आरोप लगाये। वहीं रिपोर्टों में यह दावा भी किया गया है कि आरोपी खिलाड़ी को बचाने के लिए मामले को दबाने की कोशिश की गई। कई कथित पीड़ितों और उनके परिवारों का मानना है कि पुलिस और अन्य अधिकारियों ने आरोपों को गंभीरता से नहीं लिया और मामले को रफा-दफा कर दिया गया। एक पीड़िता के वकील निगेल ह्यूजेस ने कहा कि पहली औपचारिक शिकायत करीब दो साल पहले दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि गुयाना के डायरेक्टर ऑफ पब्लिक प्रोसिक्यूशंस ने आरोप तय करने की सिफारिश की थी, लेकिन उन सिफारिशों को नजरअंदाज कर दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी** :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में** :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर**:- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी)**:- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार** :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय** :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण** :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण**:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा** :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई** :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई** :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग** :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने स रोकने तथा बिना निषेचन के फलों क विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-10 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना** :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाल किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) क सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा कर से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋ में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों क आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधि होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई** :- टमाटर के फसल क तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल** :- टमाटर को अधपक हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हे भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल**:- टमाटर क गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था म तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजार में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर** :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर** :- बीज उत्पादन क लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाट अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान म कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिक कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के ह जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचा के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंद महासागर में स्मार्ट सुनामी और भूकंप के लिए अर्ली अलर्ट सिस्टम लगाएगा भारत

समुद्र के अंदर 275 किलोमीटर लंबी केबल बिछेगी

नई दिल्ली।

भारत हिंद महासागर में स्मार्ट सुनामी और भूकंप के लिए अर्ली अलर्ट सिस्टम लगाने की तैयारी में है।

इसके लिए समुद्र के अंदर 275 किलोमीटर लंबी केबल बिछेगी। यह सिस्टम समुद्र में होने वाली भूकंप की गतिविधियों और अन्य खतरों का पता लगाने के वर्तमान तरीके को बदल सकता है। यह पहल फिलहाल रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) के चरण में है और हैदराबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ऑपरेट कर रहा है। इस पहल का मकसद मौजूदा अलर्ट सिस्टम की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्यादा स्मार्ट और विश्वसनीय बनाना है। अभी का सिस्टम मुख्य रूप से समुद्र की सतह पर तैरने वाले बॉयस (अलर्ट सिस्टम) पर निर्भर है। इन केबल को अंडमान द्वीप समूह से लेकर भूकंप के लिए सक्रिय अंडमान-निकोबार सबडक्शन जोन (जहां दो टेक्टॉनिक प्लेट्स टकराती हैं) तक करीब 2,500 मीटर की गहराई में बिछाया जाएगा।

इस केबल में बॉटम प्रेशर रिकॉर्डर, सीस्मोमीटर, टिल्ट मीटर और हाइड्रोफोन जैसे कई तरह के सेंसर लगे हैं, जो समुद्र में होने वाले भूकंप और अन्य खतरों की रियल टाइम मॉनीटरिंग करने वाले है। यह सिस्टम हिंद महासागर से लंबे समय तक डेटा इकट्ठा करने में मदद करेगा। साथ ही क्लाइमेट रिसर्च और तूफानी लहरों के अर्ली अलर्ट सिस्टम के उद्देश्यों की स्टडी में सहायता करेगा।

नया सिस्टम ज्यादा विश्वसनीय

आईएनसीओआईएस के निदेशक टी.एम. बालकृष्णन नायर कहते हैं कि वर्तमान में इस क्षेत्र की निगरानी इसतरह के बॉयस से होती है, जिसमें बॉटम प्रेशर रिकॉर्डर और सतही बॉयस होते हैं। हालांकि, ये बॉयस पर्यावरण की अलग-अलग परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील होते हैं और इनका रखरखाव कठिन होता है। नया सिस्टम ज्यादा विश्वसनीय होगा और हाई बैंडविड्थ वाले भूकंप के आंकड़े सीधे तटीय स्टेशनों तक पहुंचाएगा।

क्या होता है सबडक्शन ज़ोन

अंडमान-निकोबार सबडक्शन ज़ोन वह स्थान है, जहां टेक्टॉनिक रूप से सक्रिय भारतीय प्लेट, यूरेशियन प्लेट के नीचे धंसती है। इसी प्रक्रिया की वजह से ही अंडमान और निकोबार द्वीप बने थे और यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से भूकंप की गतिविधियों का केंद्र रहा है। साल 2004 में आए अंडमान-सुमात्रा भूकंप के दौरान इस इलाके के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में लंबी-चौड़ी दरार पड़ी थी। जिस कारण विनाशकारी सुनामी आई थी।

ड्रग्स तस्करी मामले में तमिल एक्टर कृष्णा गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

मुंबई।

तमिल एक्टर कृष्णा कुलशेखरन को ड्रग्स दुरुपयोग और तस्करी के मामले में गुरुवार को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले कुछ दिन पहले एक्टर श्रीकांत और एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया था। वहीं इन दोनों से पूछताछ के बाद कृष्णा कुलशेखरन का नाम भी सामने आया। इसके बाद पुलिस ने कृष्णा से इस मामले को लेकर पूछताछ की। पुलिस ने कृष्णा के घर में दो घंटे तक तलाशी ली उसके बाद एक्टर को गिरफ्तार किया। मशहूर फिल्ममेकर विष्णु वर्धन के छोटे भाई कृष्णा को पुलिस ने समन भेजा था। इससे पहले ही वो केरल भाग गए थे। इसके लिए पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए चार स्पेशल टीम बनवाई थीं। गिरफ्तार होने के बाद कृष्णा ने इन आरोप से इनकार कर किया और कहा कि वह ड्रग्स के आदी नहीं हैं। उन्हें दिल और पेट की बीमारी है, इसलिए वह ऐसे पदार्थ नहीं ले सकते। ये मामला तब शुरू हुआ जब प्रदीप नाम के ड्रग्स सप्लायर की गिरफ्तारी हुई थी। उसने प्रसाद नाम के शख्स को ड्रग्स सप्लाई करने की बात कुबूल की थी। इस गिरफ्तारी में पूर्व एआईडीएमके आईटी विंग के एक कार्यकर्ता जिसका नाम प्रसाद है वो भी शामिल है। ये मामला ड्रग्स नेटवर्क और हाल ही में चेन्नई में हुए पब विवाद से जुड़ा है। इस मामले में अब तक 4 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दूसरे आरोपी प्रशांत ने दावा किया कि श्रीकांत ने फिल्म थीनगाराई के शूटिंग के दौरान 12 हजार रुपए में कोकीन खरीदी थी और दोनों एक्टर्स ड्रग्स पार्टियों में शामिल हुए थे।

रूस-चीन के बीच सैन्य सहयोग वैश्विक सुरक्षा के लिए चुनौती!

विशेषज्ञों ने कहा- यह यूरोप ही नहीं, भारत के लिए भी खतरा

नई दिल्ली।

रूस और चीन के बीच गहराता सैन्य सहयोग वैश्विक सुरक्षा के लिए चुनौती बनता जा रहा है। यूक्रेनी मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस इस साल कम से कम 600 चीनी सैनिकों को सैन्य प्रशिक्षण देने की योजना पर काम कर रहा है।

यह प्रशिक्षण रूस के सैन्य अड्डों पर दिया जाएगा, जिसका मकसद अमेरिका और नाटो के हथियारों व रणनीतियों का मुकाबला करना है। रिपोर्ट में विशेषज्ञों के अनुसार इस सहयोग से चीन को उन रणनीतिक और युद्ध कौशलों की जानकारी दी जाएगी, जिनका इस्तेमाल रूस ने यूक्रेन युद्ध में किया। यह सिर्फ यूरोपीय सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि भारत के लिए भी खतरा है, क्योंकि चीन न केवल भारत से सीमा विवाद में उलझा है, बल्कि अब पाकिस्तान को भी सैन्य सहयोग और ट्रेनिंग दे रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक चीन ने पाकिस्तानी लड़ाकू पायलटों को जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट की ट्रेनिंग दी है।

रिपोर्ट में एक पाकिस्तानी पत्रकार के हवाले से बताया गया है कि गिलगित-बाल्टिस्तान में ये ट्रेनिंग चीनी विशेषज्ञों की निगरानी में दिया जा रहा है। यह वही इलाका है जो भारत के लिए सामरिक रूप से अत्यंत संवेदनशील है और जहां पहले भी चीन-पाक सेना के संयुक्त अभ्यास किया है। खबर है कि पाकिस्तान ने एक विशेष इकाई बनाई है, जिसमें गिलगित-बाल्टिस्तान के सैनिकों को शामिल किया है। यह यूनिट ऊंचाई वाले क्षेत्रों में युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए तैयार की जा रही है और चीन इन सैनिकों को विशेष ट्रेनिंग दे रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक चीन ने यूक्रेन को ड्रोन देना बंद कर दिया है लेकिन रूस को अब भी माविक जैसे ड्रोन दे रहा है। उन्होंने कहा कि रूस में ऐसे कारखाने हैं जहां चीनी प्रतिनिधि मौजूद हैं। इससे यह साफ होता है कि चीन न केवल रणनीतिक साझेदार, बल्कि प्रौद्योगिकी और उत्पादन में भी रूस की मदद कर रहा है। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि चीनी रक्षा उद्योग अभी भी कई क्षेत्रों, जैसे मिसाइल, पनडुब्बी और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर में रूसी तकनीक पर निर्भर है।

रथयात्रा में डीजे की आवाज से हाथी हुआ बेकाबू, त्वरित कार्यवाही से बड़ी दुर्घटना टली

अहमदाबाद।

शहर में निकली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में डीजे की आवाज से एक के हाथी के बेकाबू होने से अफरातफरी मच गई7 यह घटना अहमदाबाद के खाडिया क्षेत्र के गोलावाड के निकट हुई7 हाथी के बेकाबू होते ही पुलिस ने तुरंत लोगों को वहां से हटाया। डॉक्टरों और वन विभाग के कर्मचारियों ने त्वरित कार्यवाही कर हाथी को नियंत्रित किया। त्वरित कार्यवाही से रथयात्रा में बड़ी दुर्घटना टल गई7 अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की 148वीं रथयात्रा शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ रही थी और सुबह करीब 9.33 बजे रथयात्रा की अगुवाई कर रहे हाथी धीरे-धीरे खाड़िया से आगे बढ़ रहे थे। अचानक रथयात्रा का नेतृत्व कर रहे एक हाथी बेकाबू हो गया7 तभी पीछे से दो-तीन हाथी धीरे-धीरे आ रहे थे, जो लाइन में आगे चलने की बजाय भागने लगे। हाथियों के नियंत्रण से बाहर होने के कारण भागते समय एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल युवक को 108 के जरिए इलाज के लिए एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक खाडिया क्षेत्र के गोलावाड के निकट अत्यधिक शोर के कारण हाथी बेकाबू हो गया। फिलहाल स्थिति सामान्य है, तीनों हाथियों को

सामान्य स्थिति में रखा गया है। नर हाथी जब बेकाबू हो गया तो दो मादा हाथियों ने उसे काबू में किया। हाथी के बेकाबू होने की वजह अत्यधिक सीटी बजाने और डीजे की आवाज बताई जा रही है।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का भव्य शुभारंभ, भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा निकले नगर भ्रमण पर

पुरी।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का शुक्रवार को भव्य तरीके से पुरी में शुभारंभ हो गया। मान्यता के अनुसार इस विशेष अवसर पर भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर निकले हैं। भगवान जगन्नाथ की यह रथयात्रा देश के विभिन्न राज्यों में भी पूरे जोश और उमंग के साथ निकाली जा रही है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। विशेष रूप से ओडिशा के पुरी में लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में यह ऐतिहासिक रथयात्रा निकाली गई, जो पुरी के श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक जाएगी और कुल 12 दिनों तक चलेगी। यात्रा का समापन 15 जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ होगा। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा, कि करोड़ों ओड़िया जनों के आराध्य भगवान जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। चतुर्धामूर्ति से प्रार्थना करता हूं कि यह यात्रा श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण हो तथा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और आरोग्य लाए।

नगर भ्रमण को निकले भगवान जगन्नाथ

मान्यताओं के अनुसार भगवान श्री जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर नगर भ्रमण करते हैं। पुरी की रथ यात्रा को दुनिया की सबसे विशाल और पुरानी धार्मिक यात्राओं में से एक माना जाता है। यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचने का सौभाग्य पाते हैं। श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक समरसता का यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह भारत की आध्यात्मिक एकता का भी प्रमाण है। देशभर में यह यात्रा सनातन परंपराओं के गौरव का उत्सव बन चुकी है।

मुठभेड़ में एक आतंकी को किया ढेर, तीन छिपे आतंकियों की तलाश जारी

उधमपुर।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के जंगली इलाके में शुक्रवार को पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में जैश का एक आतंकवादी मारा गया था और उसके तीन साथी बसंतगढ़ बेल्ट के जंगली इलाके में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से शुक्रवार सुबह अभियान फिर से शुरू किया गया और शेष आतंकवादियों को खत्म करने के लिए घेराबंदी को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि चारों आतंकवादियों पर एक साल से नजर रखी जा रही थी।

अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार सुबह बसंतगढ़ के सुदूर बिहाली इलाके में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल से उनका सामना हो गया।

उन्होंने कहा कि चारों आतंकवादी करूर नाला के पास छिपे थे और सेना के पैरा कमांडो के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी दल ने उन्हें घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान हैदर के रूप में हुई है, जिसका छद्म नाम मौलवी था और वह पाकिस्तान का रहने वाला था। उन्होंने बताया कि ओवर ग्राउंड वर्कर्स की मदद से वे जंगलों और प्राकृतिक गुफाओं का इस्तेमाल कर छिपने के लिए एक से दूसरे इलाके में जा रहे थे। पिछले कई महीनों में इस क्षेत्र में आतंकवादियों को भोजन और आश्रय प्रदान करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

शुभांशु अंतरिक्ष में मांसपेशियों पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव पर करेंगे शोध

नई दिल्ली।

भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कदम रखते ही इतिहास रच दिया है। वह न केवल भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री हैं, बल्कि आईएसएस तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। वह निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के एएक्स-4 मिशन के तहत तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ आईएसएस पहुंचे। इस समय स्टेशन पर कुल 11 अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनमें से 7 सदस्य स्थायी टीम का हिस्सा हैं। मिशन पायलट के रूप में शुभांशु अंतरिक्ष यान की गति और डॉकिंग की निगरानी कर रहे हैं। वह भारतीय प्रयोगों जैसे मेथी व मूंग के अंकुरण, सूक्ष्मजीवों का अध्ययन और मांसपेशियों पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव पर शोध करेंगे। उन्होंने अंतरिक्ष से भेजे संदेश में कहा कि यह मेरी नहीं, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। इस टीम में अमेरिका, जापान और रूस के सात अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। ये सदस्य आईएसएस पर वैज्ञानिक प्रयोग, तकनीकी रखरखाव, मानव स्वास्थ्य की निगरानी, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। वे दुनिया भर के छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। शुभांशु की यह यात्रा न केवल भारत के लिए गर्व की बात है, बल्कि मानव अंतरिक्ष उड़ान में वैश्विक साझेदारी का प्रतीक भी बन गई है। उनकी मौजूदगी आईएसएस पर भारत के बढ़ते अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा को और मजबूती देती है।

हर 5 में से 1 परिवार यूपीआई धोखाधड़ी का शिकार

जनता लुट रही है सरकार की चुप्पी

नई दिल्ली।

भारत में यूपीआई से धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। हर पांच में से एक परिवार का सदस्य धोखाधड़ी का शिकार हो चुका है। हाल ही में एक सर्वे रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन वर्षों में पांच में से एक परिवार धोखाधड़ी का शिकार हुआ है। 51 फ़ीसदी धोखाधड़ी की शिकायत,की रिपोर्ट साइबर क्राइम में नहीं लिखाई है। भारत में आधे से ज्यादा मामलों की रिपोर्ट ही नहीं होती है। भारत के 365 जिलों के 32000 यूपीआई उपयोगकर्ताओं के बीच में यह सर्वे किया गया। इस सर्वे में 67 फ़ीसदी पुरुष और 33 फ़ीसदी महिलाएं शामिल की गई है। 15862 लोगों ने सवालों पर अपनी राय भी जाहिर की। सर्वे में 38 फ़ीसदी लोगों ने स्वीकार किया, उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। 50 फ़ीसदी मामलों मे पिन हैक करके धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया गया है। 40 फ़ीसदी मामले लिंक क्लिक करने के बाद धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। क्यूआर कोड स्कैन करके 20 फीसदी मामलों में धोखाधड़ी की गई है। 20 फीसदी मामलों में ओटीपी पूछकर यूपीआई के माध्यम से धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया गया है। 2024-25 में यूपीआई के माध्यम से 185.8 अरब लेनदेन हुए थे। जो पिछले वर्ष की तुलना में 41.7 फ़ीसदी ज़्यादा है। कुल डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी 83.4 फ़ीसदी पर पहुंच गई है।

पुणे की कोचिंग क्लास में नाबालिग से यौन शोषण, दो प्रोफेसर्स पर लगे आरोप

पुणे।

महाराष्ट्र में पुणे की कोचिंग क्लास में नाबालिग छात्रा से यौन शोषण का मामला सामने आया है। ये गंभीर आरोप कोचिंग के ही दो प्रोफेसर्स पर लगाए गए हैं। गुरुवार देर रात पुलिस में पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया। आरोपी प्रोफेसर विजय पवार, बीड के कोचिंग उद्योग में एक प्रमुख व्यक्ति और कोचिंग क्लासेस एसोसिएशन के एक पदाधिकार और प्रोफेसर प्रशांत खटावकर कई महीनों तक 12वीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ कर रहे थे। पुलिस में की शिकायत के मुताबिक जुलाई 2024 में खटावकर ने पीड़िता को कक्षा के बाद अपने केबिन में बुलाया और छेड़छाड़ की। जब उसने संस्थान के निदेशक को घटना की सूचना दी, तो उन्होंने भी छात्रा के साथ दुर्व्यवहार किया, जो मई 2025 तक जारी रहा। पीड़िता ने गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों प्रोफेसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी फरार हैं। स्थानीय अपराध शाखा की तीन टीमें उन्हें पकड़ने में जुटी हैं। इस घटना से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है और बीड के निजी कोचिंग संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

इमर्जेंसी लगाने से पहले इंदिरा गांधी ने मंगाई थी संविधान की मूल प्रति

नई दिल्ली।

आपातकाल पर खूब राजनीति हुई। आज 50 साल बीतने के बाद इस पर बयानबाजी हो रही है। इमर्जेंसी लगाने से पहले 24 जून 1975 की दोपहर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति भवन और विधि मंत्रालय से संविधान की मूल प्रति मंगवाई। वह सुनिश्चित करना चाहती थीं कि संविधान के किस प्रावधान के जरिए इमर्जेंसी लगाई जा सकती है। उनके सलाहकार बता चुके थे कि भारतीय संविधान में आपातकाल लगाने का एक लचीला सा प्रावधान है।

अब इसे देखकर खुद आश्वस्त होना चाहती थीं। संविधान की मूल प्रति आई। उन्होंने पन्ने खोले। नजरें आर्टिकल 352 पर आकर टिक गईं। इंदिरा गांधी के सलाहकारों ने उन्हें संविधान का यही आर्टिकल पढ़ने के लिए कहा। ये था - आर्टिकल 352। यही वो प्रावधान था, जिसने 25 जून 1975 के दिन भारत का भाग्य तय किया। उसे देखने के बाद वह आश्वस्त हो गईं। उन्होंने अपने सलाहकारों को इस प्रावधान को पारिभाषित करने के लिए कहा, जिसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली बगैर हिचकिचाहट आपातकाल के आदेश पर दस्तखत कर सकें। आर्टिकल 352 के जरिए इंदिरा गांधी को ऐसा संवैधानिक हथियार हासिल हो रहा था, जिसके जरिए वो राष्ट्रपति से आपातकाल की घोषणा पर दस्तखत करा सकती थीं। फिर 25 जून 1975 की देर रात राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत ही आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर कराया गया। आधिकारिक वजह दी गई, ÷देश में आंतरिक अशांति और अस्थिरता, विपक्ष द्वारा सरकार गिराने की साजिश और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा। राष्ट्रपति के दस्तख़त के साथ ही देश में नागरिक स्वतंत्रताएं, प्रेस की आज़ादी और न्यायिक निगरानी स्थगित हो गईं। संविधान के अनुच्छेद 352 में कहा गया था कि देश में 'आंतरिक अशांति' की स्थितियों में आपातकाल लगाया जा सकता है। ये अनुच्छेद कहता है कि अगर राष्ट्रपति को लगता है कि भारत की सुरक्षा पर आंतरिक अशांति, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से ख़तरा है, तो आपातकाल घोषित किया जा सकता है। तब 'आंतरिक अशांति' यानि इंटरनल डिस्टर्बेंस शब्द का मतलब बहुत लचीला था।

चुनाव आयोग ने मांगा राजनीतिक दलों से सुझाव, बसपा ने दिया अनोखा सुझाव

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग को बीजेपी, समाजवादी पार्टी, सीपीएम और बसपा जैसे तमाम राजनीतिक दलों से करीब 70 सुझाव मिले हैं। आयोग की ओर से इन सुझावों पर विचार किया जा रहा है। इन सुझावों में से आधे तो अकेले बीजेपी ने ही दिए हैं।

बीजेपी का कहना है कि वोटर लिस्ट को तैयार करने और उसमें संशोधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भी मदद लेनी चाहिए। इसके अलावा सिर्फ जिला निर्वाचन अधिकारी और मतदाता पंजीयन अधिकारी के अलावा कुछ प्रोफेशनल्स को भी वोटर लिस्ट के काम में शामिल करना चाहिए।

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट जैसे छोटे राजनीतिक दलों ने भी आयोग को सुझाव दिया हैं, कांग्रेस ने अब तक कोई बात नहीं की। तृणमूल कांग्रेस ने डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद मार्च में चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे थे। सपा ने सुझाव दिया है कि हर महीने बूथवार वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाए। इसके अलावा उन मतदाताओं की सूची को साझा किया जाए, जो संबंधित इलाके में रहते हों। कहीं और शिफ्ट हो गए हों, मृत्यु हो गई हो या फिर डुप्लिकेट वोटर के चलते नाम कटे गए हों। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे दिलचस्प सुझाव बसपा ने दिया है।

आयोग की ओर से फिलहाल यह अनिवार्य किया गया है कि यदि कोई उम्मीदवार आपराधिक प्रवृत्ति का है तो उसके बारे में समाचार पत्रों में जानकारी प्रकाशित करानी होगी। इसका खर्च भी कैंडिडेट को ही उठाना है और यह उसके प्रचार राशि में जुड़ जाता है। इस पर बसपा ने आपत्ति जताई है। बसपा का कहना है कि इसे बंद करना चाहिए क्योंकि कमजोर आर्थिक बैकग्राउंड के प्रत्याशियों पर यह एक बोझ होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के पूर्व चुनाव प्रमुख हबीबुल गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अवल इस हफ्ते गिरफ्तार होने वाले चुनाव आयोग के दूसरे पूर्व प्रमुख हैं। रविवार रात को उनके पूर्ववर्ती केएम नूरुल हुदा गिरफ्तार हुए थे। पुलिस उपायुक्त तालेबुर रहमान ने कहा, जासूसी शाखा ने अवल को ढाका के मोगबाजार से गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी की ओर से हुदा समेत 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराए जाने के बाद की गई। इन पर शेख हसीना शासन के तहत 2014, 2018 व 2024 में जनादेश के बगैर आम चुनाव कराने का आरोप है। हसीना ने इन सभी चुनावों में जीत हासिल की थी।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में तीन सरकारी अधिकारी लापता

क्वेटा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को जिला लेखा अधिकारी समेत तीन सरकारी अधिकारी अपने वाहन के साथ लापता हो गए। सूत्रों ने बताया कि जिला लेखा अधिकारी नवीद जफर खान और दो अन्य सरकारी कर्मचारी टैंक रोड पर हथला इलाके के पास लापता हो गए। अधिकारी कथित तौर पर डेरा इस्माइल खान से ड्यूटी के लिए टैंक जिले की ओर जा रहे थे। पारिवारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि खान अपने सहकर्मियों के साथ सरकारी वाहन में यात्रा कर रहे थे, जब उनका संपर्क टूट गया। उनका मोबाइल बंद हो गया है और वे टैंक कार्यालय नहीं पहुंचे। पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। आमतौर पर खैबर पख्तूनख्वा के दक्षिणी जिलों में यात्रा करने वाले सरकारी अधिकारियों को क्षेत्र में आतंकवादी संगठन के गुर्गों द्वारा अपहरण किए जाने का खतरा रहता है।

रूस के ड्रोनों में ईरानी तकनीक का उपयोग

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के शहरों में हाल में रूस के हमलों के बाद मलबे से एक ऐसा रूसी ड्रोन मिला है जो बाकियों से अलग है और इसमें ईरान निर्मित एक नई प्रौद्योगिकी भी पाई गई है। यूक्रेन के एक ड्रोन विशेषज्ञ के अनुसार, इस ड्रोन में एक आधुनिक कैमरा, कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित कम्प्यूटिंग प्लेटफॉर्म और एक रेडियो लिंक है, जिससे कोई व्यक्ति रूस में बैठा-बैठा ही दूर तक इसे संचालित कर सकता है। इसमें ईरान द्वारा निर्मित नई जैमिंग-रोधी प्रौद्योगिकी भी है। इलेक्ट्रॉनिक विशेषज्ञ सेरही बेस्क्रेस्तनोव ने कहा, ज्यादातर रूसी ड्रोन काले हैं लेकिन जो यह नया ड्रोन मिला है, वह सफेद रंग का है। इनमें काफी महंगे उपकरण लगे हैं।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों से झड़प में 14 सैनिकों की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया की सेना ने बताया कि देश के उत्तर-मध्य इलाके के नाइजर राज्य में सैकड़ों बंदूकधारियों के साथ हुई झड़पों में कम से कम 14 सैनिकों की मौत हो गई। सेना की प्रवक्ता अपोलोनिया एनेले ने बताया कि यह घटना मंगलवार को हुई, जब करीब 300 से ज्यादा हथियारबंद लोग मारिगा इलाके के जंगल से निकलकर गांव पर हमला करने की तैयारी कर रहे थे। तभी सेना ने सटीक हमला किया और उन्हें रोकने के लिए अपने सैनिक भेजे। इस झड़प में 10 सैनिक घायल हो गए। सेना ने कहा कि इस ऑपरेशन में दुश्मनों को भी काफी नुकसान हुआ है।

केन्या में प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प में आठ लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में बुधवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 80 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें से कई को गोली लगी है और उनका इलाज चल रहा है। यह प्रदर्शन केन्या में पुलिस की बर्बरता और सरकार की खराब नीतियों के खिलाफ किया गया। केन्या की राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था, जो सरकार द्वारा चलाई जाती है, ने बताया कि देश के 47 में से 23 जिलों में ये प्रदर्शन हुए। इसमें 400 से ज्यादा लोग घायल हुए और 60 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये प्रदर्शन पिछले साल हुए टैक्स विरोध प्रदर्शनों की बरसी पर आयोजित किए गए थे।

मेक्सिको में त्योहार के दौरान गोलीबारी, 12 लोगों की मौत : 20 गंभीर घायल

इरापुआटो/मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के इरापुआतो शहर में मंगलवार रात भीषण गोलीबारी हुई। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हुए हैं। उस वक्त लोग इरापुआतो में सेंट जॉन द बैप्टिस्ट त्योहार के मौके पर सड़क पर नाच-गाना और जश्न मना रहे थे। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन ने बुधवार को दी। मरने वालों में से 11 की पहचान हो चुकी है। इनमें 8 पुरुष, 2 महिलाएं और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। सोशल मीडिया पर हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोगों के जश्न मनाने के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनी गई।

राष्ट्रपति शिनबाम ने हादसे पर दुख जताया : राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हमले पर दुख जताया और कहा कि इसकी जांच की जा रही है। इरापुआतो के अधिकारी रोडोल्फो गोमेज सेरवांतेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मेक्सिको मरने वालों की संख्या 12 हो चुकी है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इरापुआतो की स्थानीय सरकार ने इस हमले को कायरतापूर्ण बताया और कहा कि सुरक्षा बल जिम्मेदार लोगों की तलाश कर रहे हैं। बुधवार की सुबह घटनास्थल पर खून के धब्बे और गोलियों के निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे।

देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में शामिल है गुआनाजुआतो राज्य : राजधानी मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुआनाजुआतो राज्य देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में से एक बन चुका है। यहां अलग-अलग संगठित अपराध करने वाले गिरोह कंट्रोल के लिए एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं। सिर्फ इस साल के पहले पांच महीनों में ही यहां 1,435 हत्याएं दर्ज की गई हैं। यह आंकड़ा किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुने से ज्यादा हैं। पिछले महीने भी इसी राज्य के सैन बार्तोलो दे बेरियोस में कैथोलिक चर्च द्वारा आयोजित एक पार्टी में गोलीबारी हुई थी, जिसमें 7 लोगों की जान गई थी।

धार्मिक त्योहार के जश्न के दौरान हुई गोलीबारी : स्थानीय मीडिया के अनुसार, गोलीबारी की घटना उस वक्त हुई, जब लोग एक धार्मिक त्योहार जॉन द बैपटिस्ट के जन्मदिन का जश्न मना रहे थे। लोग एक आवासीय परिसर के आंगन में पार्टी कर रहे थे और म्यूजिक बज रहा था, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर घटना का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें लोग नाचते हुए दिख रहे हैं और फिर गोलियां चलने लगती हैं। हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है।

राज्य के अन्य हिस्सों में भी इसी दिन पांच और लोगों की हत्या हुई : गुआनाजुआटो राज्य पिछले कई वर्षों से मेक्सिको का सबसे हिंसक क्षेत्रों में से एक रहा है, जहां आपराधिक समूह ड्रग्स और अन्य गैरकानूनी कामों को लेकर आपस में लड़ते रहते हैं। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अनुसार, इसी दिन राज्य के अन्य हिस्सों में भी पांच और लोगों की हत्या हुई। इसके अलावा, इस साल के पहले पांच महीनों में राज्य में 1,435 हत्याएं हुई हैं, जो किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हैं।

उस समय 60 लोगों की मौत हो गई थी और 20 लोग अब तक लापता हैं। : इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता अगले हफ्ते खत्म हो सकती है। यह जानकारी पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के बीच ऑनलाइन बैठक के बाद बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। इस बैठक में दोनों देशों ने व्यापार समझौते को तेजी से पूरा करने पर सहमति जताई। यह समझौता रणनीतिक और निवेश से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगा और दोनों देशों के साझा हितों को ध्यान में रखेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा, दोनों देशों ने अब तक की बातचीत पर संतोष जताया और फैसला किया कि व्यापार वार्ता अगले हफ्ते खत्म हो जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया कि दोनों देशों के बीच लंबे समय की रणनीतिक और निवेश साझेदारी पर भी बातचीत चल रही है।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतीय मूल के मेयर उम्मीदवार को लेकर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क मेयर का डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने जीत लिया है। इसके बाद अब नवंबर में होने वाले मुख्य चुनाव में ममदानी डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद के उम्मीदवार होंगे। ममदानी की जीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने नाराजगी जताई और ममदानी को वामपंथी बेवकूफ बता दिया। ट्रंप ने ममदानी का समर्थन करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेताओं की भी आलोचना की। ट्रंप ने ममदानी की जीत पर जताई नाराजगी ट्रंप ने जोहरान ममदानी की जीत के बाद ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ये आखिरकार हो ही गया, डेमोक्रेट्स ने सीमा पार कर दी है। जोहरान ममदानी एक सौ फीसदी वामपंथी बेवकूफ हैं, उन्होंने अभी डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव जीता है और वे न्यूयॉर्क के अगले मेयर बनने की राह पर हैं। हमने पहले भी चरमपंथी वामपंथी देखे हैं, लेकिन ये बिल्कुल बेतुका है। ममदानी पर निजी हमला बोला ममदानी पर ट्रंप ने निजी हमले भी किए और लिखा कि ममदानी देखने में अजीब लगते हैं और उनकी आवाज भी बहुत कर्कश है। वे बहुत समझदार भी नहीं हैं और कई वरिष्ठ डेमोक्रेटिक नेता उनका समर्थन कर रहे हैं, जिनमें हमारे महान फलस्तीनी सीनेटर चक शूमर भी शामिल हैं। यह हमारे देश के इतिहास की बड़ी घटना है। एक अन्य पोस्ट में डेमोक्रेटिक पार्टी पर तंज कसते हुए ट्रंप ने लिखा कि डेमोक्रेट्स को कम आईक्यू वाली जैस्मीन क्रॉकेट को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना चाहिए।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव को भूमि हेराफेरी मामले में जमानत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की एक अदालत ने बुधवार को पतंजलि योगपीठ से जुड़े भूमि गबन के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल को 3.5 मिलियन नेपाली रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी) के अध्यक्ष माधव भूमि गबन के मामले से संबंधित अपनी दलीलें पेश करने के लिए विशेष अदालत में उपस्थित थे। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत ने आदेश दिया कि वह 3.5 मिलियन नेपाली रुपये की जमानत राशि जमा करने के बाद जा सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में प्राधिकरण के दुरुपयोग की जांच के लिए आयोग (सीआईएए) ने पतंजलि भूमि सौदा मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए उनके और 93 अन्य के खिलाफ एक विशेष अदालत में मामला दर्ज किया था। सीआईएए ने आरोप लगाया कि भारतीय समूह पतंजलि योगपीठ ने भूमि सीलिंग छूट के तहत कावरेपालनचोक जिले में जमीन खरीदी थी। हालांकि, सरकारी रियायत के तहत अधिग्रहित भूमि को 2009 में माधव के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट स्तर की मंजूरी के साथ बेचा गया था।

नाटो समिट में ट्रम्प बोले- ईरान बहादुरी से जंग लड़ा : अब उसे नुकसान से उबरने की जरूरत, इसलिए ऑयल बेचने से नहीं रोकूंगा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान ने जंग में बहादुरी दिखाई। वे ऑयल का कारोबार करते हैं। मैं चाहूं तो इसे रोक सकता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि ईरान को जंग के बाद नुकसान से उबरने के लिए ऑयल बेचने की जरूरत है। अगर चीन, ईरान से ऑयल खरीदना चाहते हैं तो हमें कोई दिक्कत नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले हफ्ते बातचीत होगी।

इससे पहले मंगलवार को नाटो समिट के लिए जाते वक्त भी ट्रम्प ने कहा था कि चीन अब ईरान से ऑयल खरीद सकता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चीन अमेरिका से भी ऑयल खरीदेगा। हालांकि व्हाइट हाउस अधिकारी ने साफ किया था कि यह ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत का ऐलान नहीं था। बता दें कि ईरान-इजराइल में 12 दिन चली जंग के बाद ट्रम्प ने मंगलवार को सीजफायर का ऐलान किया था।

ईरान के सुप्रीम लीडर एक हफ्ते से सामने नहीं आए : रिपोर्ट

ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर लागू होने के बावजूद देश में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की जनता के सामने गैर-मौजूदगी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक खामेनेई को पिछले लगभग एक सप्ताह से न तो सार्वजनिक रूप से देखा गया है और न ही उनका कोई

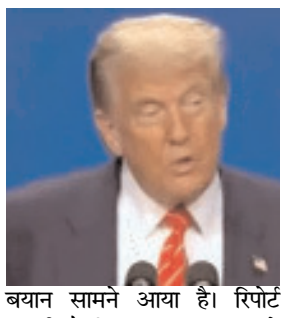

बयान सामने आया है। रिपोर्ट बताती है कि जब 13 जून को इजराइल और ईरान के बीच सीधा सैन्य टकराव शुरू हुआ, तब खामेनेई को सुरक्षा कारणों से छिपा दिया गया था।

ईरान बोला- देश में इजराइल की खुफिया गतिविधियां जारी : ईरान ने इजराइल पर सीजफायर के बावजूद देश के अंदर जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया है। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि इजराइल की जासूसी गतिविधियां देश के भीतर जारी हैं। यह जानकारी ईरानी समाचार एजेंसी फार्स ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने कहा है कि इजराइली एजेंट बड़ी संख्या में ईरानी नागरिकों को फोन कॉल्स कर रहे हैं। इनका मकसद फोन के जरिए जासूसी करना और जानकारी हासिल करना है। मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि इजराइल देश में झूठी खबरें फैला रहा है ताकि लोगों को राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सामंजस्य के खिलाफ भड़काया जा सके।

ट्रम्प बोले- भारत-पाकिस्तान में एटमी जंग का खतरा था, मेरी कोशिशों से रुकी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के लिए कई फोन कॉल्स किए थे। यह बात उन्होंने नीदरलैंड्स में जारी नाटो समिट के दौरान मीडिया से कही। ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने दोनों देशों से कहा कि अगर वे आपस में लड़ेंगे, तो अमेरिका उनके साथ कोई बिजनेस नहीं करेगा। ट्रम्प ने कहा कि पिछले हफ्ते पाकिस्तान के जनरल उनके दफ्तर में थे, और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके अच्छे दोस्त हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि उनकी कोशिशों से दोनों देश सीजफायर पर सहमत हुए और संभावित परमाणु युद्ध टल गया।

75 साल बाद मिशिगन झील में विमान की खोज समाप्त, 20 साल से चल रही थी; दुर्घटना में मारे गए थे 58 लोग

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के इतिहास में सबसे भयावह विमान दुर्घटना की 75 साल बाद खोज समाप्त हो गई है। एक समूह ने अब मिशिगन झील में 1950 में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान की खोज को बंद करने का फैसला किया है। इस विमान हादसे में 58 लोग मारे गए थे। यह खोज पिछले 20 साल से चल रही थी। समूह ने खोज में नई सोनार तकनीक का इस्तेमाल कर पानी के विशाल भाग की छानबीन की और एक प्रसिद्ध लेखक क्लाइव कुसलर का भी साथ मिला।

2004 में शुरू हुई थी विमान की खोज : जब नॉर्थवेस्ट ओरिएंट फ्लाइट 2501 दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, तब यह अमेरिका का सबसे भयानक विमान हादसा था। मिशिगन शिपब्रेक एसोसिएशन की कार्यकारी निदेशक वैलेरी वैन हेस्ट ने कहा कि यह खोज 2004 में शुरू हुई थी और अब इसे रोकने का फैसला लेना उनके लिए आसान नहीं था।

झील के 700 वर्ग मील क्षेत्र को खोजा : वैन हेस्ट ने कहा कि एक तरफ मुझे लगता है कि हम नाकाम रहे, क्योंकि हमें विमान का मलबा नहीं मिला। लेकिन दूसरी तरफ, हमने इस हादसे और मृतकों की याद को जिंदा रखने के लिए बहुत मेहनत की, इसलिए मुझे लगता है कि हमने फिर बी कुछ अच्छा किया है। उन्होंने बताया कि मिशिगन झील के करीब 700 वर्ग मील (1,813 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र को खोजा गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि विमान छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट गया और वह कीचड़ में धंस गया, इसलिए सोनार तकनीक से भी मलबा नहीं मिल सका।

23 जून, 1950 की रात न्यूयॉर्क से सिएटल के लिए भरी थी उड़ान : प्रोपेलर से चलने वाले डीसी-4 विमान ने 23 जून, 1950 की रात को न्यूयॉर्क के लागार्डिया एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इस विमान का गंतव्य सिएटल था और बीच में दो जगह रुकने की योजना थी। अचानक रास्ते में एक तेज तूफान आया और विमान गिर गया। मिशिगन के साउथ हेवन में विमान के कुछ टुकड़े और शरीर के अंग किनारे पर बहकर आए थे। वैन हेस्ट ने कहा कि हमें पता है कि विमान बहुत जोर से पानी से टकराया था और कोई नहीं बच सकता था। उन्होंने इस हादसे पर एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम फैटल क्रॉसिंग है।

2017 तक मलबे की खोज के लिए कुसलर ने दिया था पैसा क्लाइव कुसलर, जो साहसिक उपन्यास लिखते थे और पानी के अंदर जहाजों की खोज के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने 2017 तक जहाज के मलबे की खोज के लिए पैसा दिया। 2020 में उनकी मृत्यु हो गई। कुसलर ने 2018 में लिखा था, मुझे उम्मीद है कि एक दिन इन लोगों के परिवारों को राहत जरूर मिलेगी।

नीदरलैंड्स में ट्रम्प से मिले जेलेंस्की, ट्रम्प बोले- पुतिन से जंग खत्म करने पर बात करूंगा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान बुधवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से करीब 50 मिनट तक बातचीत की। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प से वास्तविक शांति और यूक्रेनी जनता की सुरक्षा पर चर्चा की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने हथियारों की सप्लाई, ड्रोन बनाने और रूस के खिलाफ प्रतिबंध पर बात की। ट्रम्प ने कहा कि वे जल्द ही पुतिन से युद्ध खत्म करने की बात करेंगे। वहीं, जेलेंस्की ने बताया कि रूस अभी युद्धविराम के मूड में नहीं है। नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने कहा कि चीन, ईरान और उत्तर कोरिया के समर्थन से रूस तेजी से हथियार बना रहा है, जो नाटो के लिए चुनौती है। उन्होंने पुतिन पर भरोसा न होने की बात भी कही। नाटो ने 2035 तक रक्षा खर्च को जीडीपी का 5 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है, जो ट्रम्प की मांग और रूस के खतरे के जवाब में है। पुतिन ब्राजील नहीं जाएंगे रूस के राष्ट्रपति पुतिन अगले हफ्ते ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स समिट में नहीं जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने 2023 में जबरदस्ती यूक्रेनी बच्चों को रूस ले जाने के वॉर क्राइम के आरोप में पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। रूस ने इन आरोपों को खारिज किया है, लेकिन पुतिन आईसीसी सदस्य देशों में गिरफ्तारी के डर से जाने से सावधानी बरतते हैं।

मॉस्को में रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले कांग्रेस नेता थरूर : मॉस्को, एजेंसी। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बुधवार को रूस की राजधानी मॉस्को में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। यह मुलाकात वहां एक कार्यक्रम के दौरान हुई। रूस की यात्रा पर गए थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मॉस्को में 'प्रिमाकोव रीडिंग्स' कार्यक्रम के दौरान पुराने दोस्त, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिलकर अच्छा लगा। थरूर भारतीय संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के प्रमुख हैं। उन्होंने रूस के पूर्व राजदूत एंड्री डेनिसोव से भी मुलाकात की। डेनिसोव अब रूस की संसद की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के उपाध्यक्ष हैं। थरूर ने एक और पोस्ट में लिखा, संयुक्त राष्ट्र और चीन में रूस के पूर्व राजदूत और अब रूसी संसद की अंतरराष्ट्रीय समिति के उपाध्यक्ष, मेरे पुराने मित्र एंड्री डेनिसोव से मिलकर अच्छा लगा।

सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने खारिज की खुफिया रिपोर्ट, कहा- ईरान में परमाणु ठिकानों को बड़ा नुकसान पहुंचा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सेंट्रल इंटेलीजेंस एजेंसी (सीआईए) ने भी उन खुफिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिकी हवाई हमले में ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह नहीं हुए हैं। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि अमेरिकी हवाई हमलों के बाद ईरान के परमाणु ठिकानों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। रैटक्लिफ ने कहा कि हमें खुफिया जानकारी मिली है कि कई प्रमुख ईरानी परमाणु ठिकाने नष्ट हो गए हैं और उन्हें फिर से बनाने में वर्षों लग जाएंगे।

जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि सीआईए इसकी पुष्टि करता है कि हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को भारी नुकसान पहुंचा है। सीआईए उचित निर्णयकर्ताओं और निरीक्षण निकायों को पूरी तरह से सूचित रखने के लिए अतिरिक्त विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी एकत्र कर रहा है। जब भी संभव होगा हम इस मामले के राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए और पारदर्शिता प्रदान करने के हर प्रयास में अमेरिकी जनता को भी जानकारी देंगे।

पूरी तरह नष्ट किया गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम : ट्रंप प्रशासन : इससे पहले ट्रंप ने कहा कि ईरान पर किए गए अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका दिया है। वहीं दूसरी ओर, एक प्रारंभिक खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इन हमलों से ईरान को केवल मामूली नुकसान हुआ और उसका परमाणु कार्यक्रम कुछ महीनों के लिए ही रुका। ट्रंप ने कहा, यह एक विनाशकारी हमला था, जिसने उन्हें हिला दिया। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें कुछ भी निकालने का मौका नहीं मिला, क्योंकि

हमने तेज कार्रवाई की। वैसे भी, इस तरह की सामग्री को ले जाना बहुत मुश्किल और खतरनाक होता है। अमेरिकी सांसदों को इस मुद्दे पर गोपनीय जानकारी देने के लिए जो ब्रीफिंग मंगलवार को होनी थी, अब वह गुरुवार और शुक्रवार को होगी। रिपोर्ट में क्या है दरअसल अमेरिकी सरकार के खुफिया विभाग डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया है और ये पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ कुछ महीने के लिए पीछे हो गया है। यह जानकारी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे के पूरी तरह से खिलाफ है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से तबाह हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन वह पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है।

ये भी दावा किया जा रहा है कि ईरान को हमले का अंदेशा हो गया था और उसने परमाणु बम बनाने के लिए यूरेनियम संवर्धन करने वाले सेंट्रीफ्यूज पहले ही सुरक्षित जगह पहुंचा दिये हैं। साथ ही ये भी कहा गया है कि हमले में परमाणु केंद्र के ऊपरी हिस्से को नुकसान हुआ है, लेकिन इसके बावजूद काफी चीजें सुरक्षित बच गई हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात सूरत में अलग अलग विस्तार में जगन्नाथ रथ यात्रा सम्पन्न

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में इस्कॉन मंदिर द्वारा आयोजित 38वीं भव्य जगन्नाथ रथयात्रा संपन्न हो चुकी है। भगवान जगन्नाथ जब रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकले, तब हजारों श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एकत्रित हुए थे। महापौर द्वारा पूजा विधि के बाद भगवान के भव्य रथ को रवाना किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम के दर्शन किए और रथ को रस्सियों से खींचते हुए आगे बढ़ाया।

स्टेशन क्षेत्र से इस्कॉन मंदिर तक लगभग 13 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में लाखों लोग सड़क के दोनों ओर भगवान के दर्शन के लिए मौजूद रहे। कड़े पुलिस बंदोबस्त के बीच, च्जय श्री जगन्नाथज्ञ के उद्घोष के साथ यात्रा शांतिपूर्वक पूर्ण हुई। शहर में सात विभिन्न स्थानों से भव्य रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। इस यात्रा की शुरुआत से पहले भगवान जगन्नाथ को पारंपरिक रथ पर विराजमान कराने से पहले, उन्हें मर्सिडीज और ऑडी जैसी सात लग्जरी कारों के काफिले में ले जाया गया, जिससे एक अनोखा दृश्य देखने को मिला। यह भव्य काफिला इस्कॉन मंदिर से रथयात्रा स्थल तक रवाना हुआ।

रथयात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। हजारों की संख्या में भक्तगण इस अनोखे दृश्य को देखने इस्कॉन मंदिर में उमड़ पड़े थे। जब यह काफिला रेलवे

स्टेशन पहुंचा, तब भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलराम को पारंपरिक रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। यह दृश्य देखने के लिए लोग अत्यंत उत्साहित थे। यह भव्य रथयात्रा भक्तिमय वातावरण के बीच निकली। इस्कॉन मंदिर जहांगीरपुरा से लग्जरी कारों का काफिला रवाना हुआ था, जो रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां से मुख्य रथयात्रा की शुरुआत हुई। दोपहर ढाई बजे आरती के साथ यात्रा आरंभ हुई, जिसमें लगभग 12 किलोमीटर की दूरी तय की गई और लाखों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस अनूठी पहल ने भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक रथयात्रा में आधुनिकता का स्पर्श जोड़ा, जिससे भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिला। प्रशासन और विभिन्न संस्थाओं ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार, रथयात्रा लाल दरवाजा क्षेत्र से भी निकली। जहांगीरपुरा इस्कॉन मंदिर से यात्रा दोपहर 3 बजे शुरू हुई और रिंग रोड, अठवालाइंस, रांदेर रोड, मोराबागल होकर पुन: मंदिर पहुंची। वहीं, महिधरपुरा स्थित घोड़िया बावाजी मंदिर से निकली पारंपरिक रथयात्रा लाल दरवाजा क्षेत्र में घूमी और वापस लौटी। पांडेसरा और सचिन क्षेत्रों में पुरी की परंपरा अनुसार रथयात्रा का आयोजन किया गया।

वापी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भव्य रूप से संपन्न

वापी के डुंगरा गुरुद्वारे के सामने स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से आज लगातार 14वें वर्ष भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया। बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच भी श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था। ''जय जगन्नाथ'' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

हजारों की संख्या में भक्तों ने रथ के रस्से खींचकर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा माता की रथयात्रा में भाग लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग के श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा में शामिल हुए। स्थानीय संस्थाओं और भक्त मंडलों ने मिलकर यात्रा का सुंदर आयोजन किया। रास्ते भर भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण और सेवा कार्य होते रहे। यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भक्ति का प्रतीक बन गई।

भगवान जगन्नाथ की यह यात्रा डुंगरा तालाब से प्रारंभ होकर चणोद कॉलोनी और तणोद क्षेत्र होते हुए भोलानगर स्थित कृष्ण मंदिर तक पहुंची, जहां महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

यह परंपरा पिछले 14 वर्षों से निरंतर निभाई जा रही है, जो स्थानीय श्रद्धालुओं की गहरी आस्था और समर्पण को दर्शाती है। यह रथयात्रा समाज में एकता, भक्ति और सेवा का संदेश देने वाली आध्यात्मिक प्रेरणा बन चुकी है।

किया गया।

वराछा इस्कॉन मंदिर द्वारा रथयात्रा दोपहर दो बजे मिनी बाजार वराछा से शुरू होकर हीराबाग, कापोद्रा, मोटा वराछा, सरथाणा होकर वापस लौटी। रथ पर भगवान को स्नान करवाकर विधिपूर्वक स्थापित किया गया था। भगवान की सुंदर प्रतिमा को देखकर हर कोई आनंदित हो गया। इस्कॉन मंदिर के संत-महंतों और हजारों भक्तों ने भजन-कीर्तन के साथ इस भव्य यात्रा का आयोजन किया।

HC की सुनवाई में याचिकाकर्ता टॉयलेट से ऑनलाइन जुड़ा

सूरत के अब्दुल की शर्मनाक हरकत कैमरे में कैद, वीडियो देशभर में वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात हाईकोर्ट में दो आरोपियों ने अपने खिलाफ दर्ज शिकायत को रद्द करवाने के लिए 20 जून 2025 को न्यायमूर्ति निर्झर देसाई की कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई से पहले शिकायतकर्ता अब्दुल समद मोबाइल फोन के जरिए हाईकोर्ट की सुनवाई में ऑनलाइन जुड़ गया, लेकिन वह टॉयलेट में बैठा था। यह दृश्य यूट्यूब पर लाइव देखा गया और वीडियो वायरल हो गया।

अब्दुल समद सूरत में बैटरी और इन्वर्टर का व्यवसाय करता है। वह किम रेलवे स्टेशन के पास स्थित जुम्मा मस्जिद में नमाज़ पढ़ने गया था, जहां दरवाज़ा खोलते समय एक आरोपी से उसका टकराव हो गया। इसके बाद आरोपी और उसके भाई ने अब्दुल को गालियाँ दी और मारपीट कर धमकी दी कि वह दोबारा मस्जिद न आए। इस घटना की शिकायत अब्दुल ने किम पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई थी।

बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया और आरोपियों ने शिकायत रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इस प्रक्रिया में हाईकोर्ट द्वारा शिकायतकर्ता से पूछा जाता है कि क्या वह शिकायत

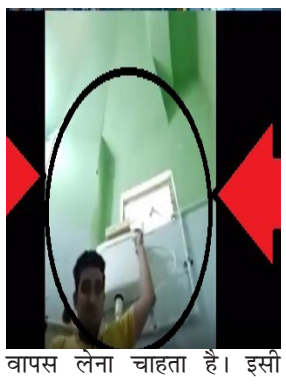

वापस लेना चाहता है। इसी जवाब के लिए अब्दुल समद ऑनलाइन सुनवाई में शामिल हुआ, लेकिन वह शौचालय में बैठा हुआ कैमरे में साफ नजर आया।

जब 64 नंबर याचिका पर सुनवाई चल रही थी, तब अब्दुल टॉयलेट में बैठा हुआ और शौच क्रिया करते हुए कैमरे में स्पष्ट दिखा। ऐसे मामलों में हाईकोर्ट आमतौर पर अवमानना (contempt) बेंच को भेज देता है, जो दंड और कभी-कभी सजा भी दे सकती है।

ऐसे मामलों में पहले भी लग चुका है भारी जुर्माना

एक मामले में व्यक्ति को टॉयलेट से जुड़ने पर 2 लाख का जुर्माना और दो सप्ताह हाईकोर्ट के गार्डन की सफाई

गुजरात हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता टॉयलेट से जुड़ा, शर्मनाक हरकत कैमरे में कैद, वीडियो देशभर में वायरल

जैसी सामुदायिक सेवा की सजा दी गई थी।

जुर्माने की राशि में से 50,000 एक बालगृह को और 1.5 लाख गुजरात हाईकोर्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी को जमा कराने का आदेश हुआ था।

एक व्यक्ति बिस्तर पर लेटे हुए कोर्ट की लाइव लिंक से जुड़ा था। उसके वकील ने कहा कि वह अनपढ़ है, लेकिन जांच में वह ग्रेजुएट निकला। उस पर 25,000 का जुर्माना लगाया गया।

एक याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट की लाइव सुनवाई के दौरान सिगरेट पी थी। कोर्ट ने इस पर भी कड़ी कार्रवाई करते हुए अवमानना बेंच को मामला रेफर किया था और 50,000 का जुर्माना लगाया।

हाल ही में हाईकोर्ट ने वकीलों द्वारा ब्लैक गाउन नहीं पहनने पर नाराजगी जताई है और चेतावनी दी है कि ऐसे वकीलों का ''राइट ऑफ ऑडियंस'' (असील की तरफ से दलील देने का अधिकार) छीना जा सकता है। कोर्ट ने नियमों के सख्त पालन के लिए रजिस्ट्रार जनरल को यह मामला चीफ जस्टिस के समक्ष रखने और उचित सर्कुलर जारी करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन या वर्चुअल सुनवाई में शामिल होने वाले सभी व्यक्तियों और वकीलों को कोर्ट की गरिमा, अनुशासन और ड्रेस कोड का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा, अन्यथा उन्हें कठोर सजा या आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है।

21 वर्ष से स्वर्गीय सेवंतीबेन सावंत की स्मृति में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क धार्मिक यात्रा का आयोजन

सूरत के समाजसेवी गणेशभाई पी. सावंत ने स्वर्गीय माता श्री की स्मृति 120 वरिष्ठजनों को तीन दिवसीय तीर्थयात्रा कराया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के जाने-माने समाजसेवी गणेशभाई पी. सावंत ने अपनी दिवंगत माता सेवंतीबेन पांडुरंग सावंत की स्मृति में लगातार 21वें वर्ष वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क धार्मिक स्थलों की यात्रा का आयोजन किया। इस नेक पहल के तहत 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के 120 वरिष्ठ नागरिकों को तीन दिवसीय तीर्थयात्रा पर ले जाया गया। यात्रा की शुरुआत रविवार, 22 जून 2025 को

हुई,जिसमें दो बसों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को रवाना किया गया। यह यात्रा 23, 24, 25 जून तीन दिनों तक चली, जिसमें श्रद्धालुओं ने उनाई सापुतारा, सप्तश्रृंगी, नासिक, शिरडी, शनिदेव और मुक्तिधाम जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद सभी प्रतिभागी बुधवार,26 जून को रात में सूरत वापस लौट आए।

इस पूरी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, गणेशभाई पी. सावंत ने व्यक्तिगत रूप से सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए चाय और नाश्ते की व्यवस्था की और अपने माता-पिता की तरह उनका ख्याल रखा। उनके स्वयंसेवकों ने भी सभी वरिष्ठ नागरिकों की पूरी देखभाल की। गणेशभाई ने इस सेवा कार्य को करके स्वयं को धन्य महसूस किया और बहुत प्रसन्न हुए। यात्रा का आनंद लेने वाले वरिष्ठ नागरिकों ने भी गणेशभाई की उदारता की खूब प्रशंसा की और उन्हें आशीर्वाद दिया। यह आयोजन गणेशभाई पी. सावंत की अपनी माता के प्रति श्रद्धांजलि और समाज सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही यह लोगों के लिए एक प्रेरणा रूप संदेश भी हैं जो गणेशभाई पी. सावंत ने अपनी आवक के 10त्न रकम बचा कर लोगों की सेवा में उपयोग करते हैं, जिससे लोगों की सेवा के साथ भी समाजिक रूप से बिना किसी भी भेदभाव के इस प्रकार के प्रवास का आयोजन कर सेवा करने का मिशाल कायम किया हैं.

सीढ़ी की मदद से 6 बच्चों और 7 महिलाओं का रेस्क्यू

वेडरोड के देनाकुंज अपार्टमेंट,बिल्डिंग की पहली मंजिल की बालकनी का हिस्सा गिरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेडरोड इलाके में ग्राउंड प्लस तीन मंजिला इमारत की पहली मंजिल की सीढ़ी का हिस्सा अचानक गिरने से रहवासी मुश्किल में फंस गए। जैसे ही पहली मंजिल की सीढ़ी का हिस्सा गिरा, ऊपर की मंजिलों पर फंसे लोगों की परेशानी बढ़ गई। रहवासियों ने तत्काल फायर विभाग को सूचना दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और सभी को सुरक्षित नीचे उतारा।

वेडरोड इलाके की देनाकुंज अपार्टमेंट में रहवासी घबरा गए थे। ग्राउंड फ्लोर से तीसरी मंजिल तक जाने वाली सीढ़ी के तीन से चार स्टेप्स अचानक टूट गए और उसका मलबा ग्राउंड फ्लोर पर गिर गया। इससे रहवासी डर के मारे चिल्लाने लगे। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और ऊपर फंसे सभी लोगों को सीढ़ी (लैडर) की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला।

सावन मेला आठ एवं नौ जुलाई को

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सावन मेले का आयोजन आठ एवं नौ जुलाई को सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में किया जाएगा।

संघ की अध्यक्षा ज्योति पंसारी ने बताया कि मेले में आगामी त्योहारों को देखते हुए सामान की स्टाल लगेगी। मेले की तैयारियों के लिए संघ की

मीटिंग का आयोजन कर सभी को जिम्मेदारी सौपीं गई।

मीटिंग में संघ की सचिव वीणा बंसल, कोषाध्यक्ष सोनल मित्तल, पदमा तुलस्यान, सुमन अग्रवाल, उमा जालान सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।